लखनऊ

मंगलवार, 14 जनवरी, 2025

वर्ष : 10 । अंक: 182

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

अपनी पीड़ा सह लेना और दूसरे जीवों को पीड़ा न पहुंचाना, यही तपस्या का स्वरूप है। -संत तिरुवल्लुवर

TODAY WEATHER

DAY 21° Hi

NIGHT 9° Low

संक्षेप

दुनिया के सबसे ऊंचे युद्ध क्षेत्र सियाचिन ग्लेशियर पर पहुंचा 5G नेटवर्क, सेना ने बताया शानदार उपलब्धि

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस जियो ने दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र में अपनी 5जी सेवा शुरु कर दी है। भारतीय सेना की 'फायर एंड फ्यूरी' कोर ने 'एक्स' पर यह जानकारी दी। सेना के मुताबिक, जियो टेलीकॉम और भारतीय सेना ने साथ मिलकर सियाचिन ग्लेशियर पर पहला 5G मोबाइल टॉवर सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया है। इसे सियाचिन की एक अग्रिम चौकी पर लगाया गया है। 15 जनवरी को सेना दिवस से ठीक पहले सियाचिन ग्लेशियर पर 4जी व 5जी सेवा शुरु कर जियो ने अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। सियाचिन ग्लेशियर पर सेवा शुरु करने वाला जियो देश का पहला ऑपरेटर बन गया है। सेना ने इसे शानदार उपलब्धि बताते हुए कहा कि 'यह अदम्य उपलब्धि हमारे बहादुर सैनिकों को समर्पित है, जिन्होंने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में तैनात रह कर इस चैलेंज को पूरा किया।' इतनी ऊंचाई पर टावर लगाना बेहद कठिन रहा। सेना ने रसद सहित क्रू मेंबर की सुरक्षा सुनिश्चित की। तो जियो ने अपनी स्वदेशी फुल-स्टैक 5G तकनीक का उपयोग किया। फायर एंड फ्यूरी सिग्नलर्स और सियाचिन वारियर्स ने जियो की टीम के साथ मिलकर उत्तरी ग्लेशियर में 5G टावर स्थापित कर दिया। बताते चलें कि इस क्षेत्र में तापमान -40C तक गिर जाता है। ठंडी हवाएं और बर्फीले तूफान अक्सर यहां आते रहते हैं। सेना ने कहा, यह कदम भारतीय सेना की तकनीकी क्षमता को और बढ़ाएगा और सैनिकों को बेहतर संचार सुविधा प्रदान करेगा। 5जी कनेक्टिविटी के जरिए सैनिकों को अधिक तेज और विश्वविसनीय संचार सुविधाएं मिलेंगी, जो उनके अभियानों में सहायक होंगी।

भूकंप के तेज झटकों से हिली इस देश की धरती, रिक्टर स्केल पर 6.2 की तीव्रता, लोगों में दहशत

मैक्सिको सिटी। मैक्सिको की धरती भूकंप के तेज झटकों से हिल उठी। मैक्सिको के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में आज सुबह 6.2 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप से किसी तरह के गंभीर नुकसान या जनहानि नहीं हुई। 'अमेरिकी जियोलोजिकल सर्वे' ने यह जानकारी दी। 'अमेरिकी जियोलोजिकल सर्वे' ने बताया कि भूकंप का केन्द्र एक्विला के दक्षिणपूर्व में 21 किलोमीटर की दूरी पर कोलिमा और मिचोआकेन प्रांतों की सीमा के पास 34 किलोमीटर की गहराई पर था। मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया सीनबॉम ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि भूकंप के बाद आपात प्रतिक्रिया दलों ने अपने प्रोटोकॉल की समीक्षा की। उन्होंने लिखा, "कोई नई घटना नहीं हुई है।" मैक्सिको के 'सोशल सेक्युरिटी इंस्टीट्यूट' ने कहा कि राजधानी मैक्सिको सिटी में किसी नुकसान की कोई खबर नहीं है। मैक्सिको की राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान सेवा ने बताया कि रविवार को स्थानीय समयानुसार सुबह नौ बजे तक भूकंप के बाद के 329 झटके महसूस किए गए। उसने कहा कि भूकंप की तीव्रता 6.1 थी।

महाकुंभ प्रथम स्नान, 1.50 करोड़ लोगों ने लगाई डुबकी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। महाकुंभ 2025 का आरंभ हो गया है। आज पवित्र स्नान का पहला दिन था। आज से ही लाखों श्रद्धालुओं ने स्नान करना शुरू कर दिया। ऐसा अनुमान है कि इस बार महाकुंभ में 40 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु पवित्र स्नान करेंगे। आज से शुरू हुआ महाकुंभ 26 फरवरी तक चलने वाला है। पहले दिन से ही प्रयागराज में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुट रही है। अभी तक 60 लाख श्रद्धालुओं ने संगम तट पर डुबकी लगा ली है। आपको बता दें कि यह गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों का पवित्र संगम है। 12 जनवरी रविवार की आधी रात संगम पर पौष पूर्णिमा की प्रथम डुबकी के साथ महाकुंभ का शुभारंभ हुआ। घना कोहरा और ठंड से लोग कांप रहे थे। लेकिन आस्था के आगे सब कुछ पीछे छूट गया। संगम पर आधी रात को लाखों श्रद्धालु एकत्रित हो गए। इतने लोग थे कि कहीं भी खड़ा होने की जगह नहीं थी। साथ ही संगम की रेती पर जप, तप, और ध्यान के आयोजन होने लगे, और मास भर चलने वाले यज्ञ और अनुष्ठान भी शुरू हो गए। इसके साथ ही कल्पवास की शुरुआत भी हुई।

संगम घाट पर देश-विदेश के श्रद्धालुओं का तांता देखने को मिला। साउथ कोरिया से आए यू-ट्यूबर दल महाकुंभ के विभिन्न शॉट्स को अपने कैमरे से कैप्चर करते दिखे तो जापान से आए पर्यटक महाकुंभ में अपार जनसैलाब को देखकर स्थानीय गाइड से जानकारी लेते दिखे।

सेल्फी प्वॉइंट पर लगी भीड़

हनुमान मंदिर के पास बने नंदी द्वार के पास बनाए गए महाकुंभ 2025 सेल्फी प्वाइंट पर अपना और परिवार के साथ फोटो लेने के लिए भीड़ लगी है। लोग अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं और तमाम भक्त तो जबरन सेल्फी प्वाइंट पर खड़े होकर फोटो ले रहे हैं, जिससे पहले से ही वहां पर खड़े भक्तों से तकरार भी हो रही है।

क्यों कहा जाता है इसे (शाही स्नान) अमृत स्नान?

महाकुंभ के दौरान कुछ विशेष तिथियों पर होने वाले स्नान को 'शाही स्नान' (अब अमृत स्नान) कहा जाता है। इस नाम के पीछे विशेष महत्व और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि है। माना जाता है कि नागा साधुओं को उनकी धार्मिक निष्ठा के कारण सबसे पहले स्नान करने का अवसर दिया जाता है। वे हाथी, घोड़े और रथ पर सवार होकर राजसी ठाट-बाट के साथ स्नान करने आते हैं। इसी भव्यता के कारण इसे शाही स्नान (अमृत स्नान)नाम दिया गया है।

एक अन्य मान्यता के अनुसार, प्राचीन काल में राजा-महाराज भी साधु-संतों के साथ भव्य जुलूस लेकर स्नान के लिए निकलते थे। इसी परंपरा ने शाही स्नान (अमृत स्नान) की शुरुआत की। इसके अलावा यह भी मान्यता है कि महाकुंभ का आयोजन सूर्य और गुरु जैसे ग्रहों की विशिष्ट स्थिति को ध्यान में रखकर किया जाता है, इसलिए इसे 'राजसी स्नान' भी कहा जाता है। यह स्नान आध्यात्मिक शुद्धि और मोक्ष प्राप्ति का मार्ग है।

संगम में डुबकी वास्तव में हमारे अंदर, हमारी आत्मा के अंदर डुबकी है - साध्वी भगवती

साध्वी भगवती ने कहा, मैं खुद को बहुत भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे इस शुभ पौष पूर्णिमा पर संगम में पवित्र डुबकी लगाने का मौका मिला। संगम में डुबकी वास्तव में हमारे अंदर, हमारी आत्मा के अंदर डुबकी है। गंगा, यमुना और सरस्वती व्यक्तिगत रूप से दिव्य हैं, लेकिन जब वे एक साथ आते हैं तो यह अलग होता है। इसी तरह जब हम सभी, विभिन्न जातियों, पंथों, रंगों और विश्वासों के लोग एक साथ आते हैं तो हम विश्व शांति का संदेश भेजते हैं।"

कुंभ का पौराणिक महत्व

जब बृहस्पति कुंभ राशि में और सूर्य मेष राशि में प्रवेश करते हैं, तब कुंभ मेला लगता है। प्रयाग का महाकुंभ सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि यहां त्रिवेणी संगम है। एक प्राचीन कथा के अनुसार, देवताओं और राक्षसों के बीच समुद्र मंथन के दौरान 14वां रत्न अमृत कलश के रूप में निकला था। अमृत पाने के लिए देवता और राक्षसों के बीच संघर्ष हुआ। भगवान विष्णु ने अमृत को असुरों से बचाने के लिए मोहिनी रूप धारण किया और अमृत कलश को अपने वाहन गरुड़ को दे दिया। जब असुरों ने गरुड़ से वह कलश छीनने की कोशिश की, तो अमृत की कुछ बूंदें प्रयागराज, नासिक, हरिद्वार और उज्जैन में गिर गईं। इस घटना के बाद से हर 12 साल में इन स्थानों पर कुंभ मेला आयोजित किया जाता है।सीएम योगी ने एक्स पर लिखा, 'मानवता के मंगलपर्व 'महाकुंभ 2025' में 'पौष पूर्णिमा' के शुभ अवसर पर संगम स्नान का सौभाग्य प्राप्त करने वाले सभी संतगणों, कल्पवासियों, श्रद्धालुओं का हार्दिक अभिनंदन। प्रथम स्नान पर्व पर आज 1.50 करोड़ सनातन आस्थावानों ने अविरल-निर्मल त्रिवेणी में स्नान का पुण्य लाभ अर्जित किया। प्रथम स्नान पर्व को सकुशल संपन्न कराने में सहभागी महाकुंभ मेला प्रशासन, प्रयागराज प्रशासन, यूपी पुलिस, नगर निगम प्रयागराज, स्वच्छाग्रहियों, गंगा सेवा दूतों, कुम्भ सहायकों, धार्मिक-सामाजिक संगठनों, विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों तथा मीडिया जगत के बंधुओं सहित महाकुंभ से जुड़े केंद्र व प्रदेश सरकार के सभी विभागों को हृदय से साधुवाद!'

महाकुंभ भारत की कालातीत आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक, आस्था और सद्भाव का उत्सव : पीएम

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में संगम नगरी प्रयागराज में भारी संख्या में श्रद्धालु त्रिवेणी संगम में पवित्र डुबकी लगा रहे हैं। आज 13 जनवरी पौष पूर्णिमा के साथ 45 दिवसीय महाकुंभ 2025 की शुरुआत हो गई है। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, 'भारतीय मूल्यों और संस्कृति को संजोने वाले करोड़ों लोगों के लिए यह एक बहुत ही खास दिन है! महाकुंभ 2025 प्रयागराज में शुरू हो रहा है, जो आस्था, भक्ति और संस्कृति के पवित्र संगम में अनगिनत लोगों को एक साथ लाएगा। महाकुंभ भारत की कालातीत आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है और आस्था और सद्भाव का उत्सव मनाता है...'

उन्होंने कहा कि मुझे प्रयागराज में अनगिनत लोगों की चहल-पहल देखकर बहुत खुशी हो रही है, जो पवित्र स्नान कर रहे हैं और आशीर्वाद ले रहे हैं। सभी तीर्थयात्रियों और पर्यटकों को शानदार प्रवास की शुभकामनाएं...

पौष पूर्णिमा पर महाकुंभ 2025 का आगाज

लंबी तैयारियों के बाद प्रयागराज में पौष पूर्णिमा पर महाकुंभ 2025 की शुरुआत हो गई। दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन तीन पवित्र नदियों के संगम पर हो रहा है। इस धार्मिक आयोजन में देश-विदेश से करोड़ों की संख्या में लोग आ रहे हैं और पवित्र त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य लाभ की प्राप्ति कर रहे हैं। महाकुंभ में प्रमुख तिथियों पर स्नान और अमृत स्नान का विशेष महत्व होता है।

पवित्र नगरी प्रयागराज में संगम नोज समेत स्थायी और अस्थायी घाटों पर भारी भीड़ है। कई भक्तों को दिव्य वातावरण से अभिभूत, नम आंखों के साथ देखा गया। वहीं कई लोग प्रार्थना, अनुष्ठान और एकता की भावना में डूबे रहे।

स्नान और अमृत स्नान की तिथियां

13 जनवरी (सोमवार)- स्नान, पौष पूर्णिमा
14 जनवरी (मंगलवार)- अमृत स्नान, मकर सक्रांति
29 जनवरी (बुधवार)- अमृत स्नान, मौनी अमावस्या
3 फरवरी (सोमवार)- अमृत स्नान, बसंत पंचमी
12 फरवरी (बुधवार)- स्नान, माघी पूर्णिमा
26 फरवरी (बुधवार)- स्नान, महाशिवरात्रि

थम स्नान पर्व पर 1.50 करोड़ सनातन आस्थावानों ने त्रिवेणी में स्नान का पुण्य लाभ अर्जित किया

सीएम योगी ने एक्स पर लिखा, 'मानवता के मंगलपर्व 'महाकुंभ 2025' में 'पौष पूर्णिमा' के शुभ अवसर पर संगम स्नान का सौभाग्य प्राप्त करने वाले सभी संतगणों, कल्पवासियों, श्रद्धालुओं का हार्दिक अभिनंदन। प्रथम स्नान पर्व पर आज 1.50 करोड़ सनातन आस्थावानों ने अविरल-निर्मल त्रिवेणी में स्नान का पुण्य लाभ अर्जित किया। प्रथम स्नान पर्व को सकुशल संपन्न कराने में सहभागी महाकुंभ मेला प्रशासन, प्रयागराज प्रशासन, यूपी पुलिस, नगर निगम प्रयागराज, स्वच्छाग्रहियों, गंगा सेवा दूतों, कुम्भ सहायकों, धार्मिक-सामाजिक संगठनों, विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों तथा मीडिया जगत के बंधुओं सहित महाकुंभ से जुड़े केंद्र व प्रदेश सरकार के सभी विभागों को हृदय से साधुवाद!'

सीएम आतिशी ने सिर्फ 4 घंटे में जुटाए 10 लाख रुपए

चुनाव लड़ने के लिए की थी 40 लाख की क्राउड फंडिंग की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने चुनावी क्राउड फंडिंग में सिर्फ 4 घंटे में 10 लाख रुपये जुटाए। यह राशि उनके चुनाव प्रचार के लिए निर्धारित 40 लाख रुपये के क्राउड फंडिंग लक्ष्य की ओर एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने अपनी अपील में कहा था कि चुनाव लड़ने के लिए 40 लाख रुपये की आवश्यकता है और आम जनता से 100 से 1000 रुपये की राशि में योगदान देने की विनती की थी। उनके इस अपील के बाद ही 176 दानदाताओं ने मिलकर 10 लाख रुपए का चंदा प्रदान किया। अब उम्मीद की जा रही है कि जल्द निर्धारित 40 लाख रुपए की राशि भी जुट जाएगी।

सीएम आतिशी का यह भी कहना है कि हम ईमानदार राजनीति

करते हैं और हमारी ईमानदार राजनीति सकारात्मक थी, इसी वजह से हमने कॉरपोरेट्स या पूंजीपतियों से पैसा नहीं मांगा। अगर हमने दिग्गजों से पैसा लिया होता तो हम मुफ्त पानी, बिजली, मोहल्ला क्लीनिक और शिक्षा नहीं दे पाते। केजरीवाल सरकार ने आम लोगों के लिए काम किया है। बता दें, दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए 5 फरवरी को मतदान और 8 फरवरी को नतीजे घोषित किए जाएंगे। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी पूरे दमखम से इस चुनाव अभियान में लगी हुई है।

राष्ट्रपति मुर्मू और उपराष्ट्रपति धनखड़ ने देशवासियों को लोहड़ी, मकर संक्रांति, माघ बिहू और पोंगल की दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने लोहड़ी, मकर संक्रांति, पोंगल, माघ बिहू त्योहारों की देशवासियों को बधाई दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, लोहड़ी, मकर संक्रांति, पोंगल और माघ बिहु के शुभ अवसर पर मैं देश और विदेश में रहने वाले सभी भारतीय लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। ये पर्व हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत तथा विविधता में एकता के प्रतीक हैं। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में मनाए जाने वाले ये त्योहार प्रकृति के प्रति सम्मान को व्यक्त करते हैं। कृषि से जुड़े ये पर्व हमारे अन्नदाता किसानों के अथक परिश्रम के लिए उनका आभार व्यक्त करने के भी अवसर हैं।

'जैसे-जैसे रुपया गिरता जा रहा, मोदी अपने खोदे गड्ढे में फंसते जा रहे', कांग्रेस का पीएम पर हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। रुपये में गिरावट का सिलसिला सोमवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में भी जारी रहा। इसी को लेकर कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। सबसे पुरानी पार्टी ने कहा कि पीएम मोदी अपने ही खोदे गड्ढे में फंसते जा रहे हैं।

गौरतलब है, सोमवार को रुपया 55 पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सर्वकालिक निचले स्तर 86.59 पर आ गया। अस्थिर वैश्विक संकेतों के बीच मजबूत अमेरिकी मुद्रा के कारण रुपया टूटा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के मताबिक, कच्चे तेल की कीमतों में रिकॉर्ड उछाल, विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी तथा घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख के कारण भी स्थानीय मुद्रा पर दबाव रहा।

इसपर कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, 'जब मोदी जी ने प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभाला था तब वह 64 वर्ष के होने वाले थे और डॉलर के मुकाबले रुपया 58.58 पर था। उस समय वह रुपये को मजबूत करने को लेकर बहुत कुछ बोला करते थे। उन्होंने इसके मूल्य में गिरावट को पूर्व पीएम की उम्र से भी जोड़ दिया था।'

उन्होंने आगे कहा कि अब देखिए, मोदी जी इस वर्ष के अंत तक 75 के होने की तैयारी ही कर रहे हैं और रुपया पहले ही डॉलर के मुकाबले 86 पार चुका है। जैसे-जैसे रुपया गिरता जा रहा है, वह अपने ही खोदे गड्ढे में फंसते जा रहे हैं।

चुनाव में कैसे बढ़ रही महिला मतदाताओं की भागीदारी, एसबीआई की रिपोर्ट से हुआ अहम खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते लोकसभा चुनाव में महिला मतदाताओं की संख्या में जबरदस्त उछाल देखा गया। इनके अलावा विभिन्न विधानसभा चुनाव में भी महिला मतदाताओं की भागीदारी में बढ़ोतरी देखी गई है। अब चुनाव में महिला मतदाताओं की भागीदारी को लेकर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट सामने आई है। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि साक्षरता दर में एक प्रतिशत की बढ़ोतरी के चलते चुनाव में महिला मतदाताओं की भागीदारी में 25 प्रतिशत का उछाल आया है।

एसबीआई की रिपोर्ट में देश में साक्षरता और महिला मतदाताओं की चुनाव में बढ़ी भागीदारी के बीच संबंध बताया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, 2024 के लोकसभा चुनाव में 2019

की तुलना में महिला मतदाताओं की संख्या में 1.8 करोड़ की बढ़ोतरी हुई है। इनमें से 45 लाख मतदाता, साक्षरता दर बढ़ने की वजह से चुनावी प्रक्रिया में शामिल हुई हैं। रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि साक्षरता दर के अलावा और कौन-कौन से फैक्टर रहे, जिनकी वजह से महिलाओं की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी बढ़ रही है।

इन फैक्टर्स की भी अहम भूमिका रही

रिपोर्ट के अनुसार, रोजगार योजनाएं जैसे प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने भी अहम भूमिका निभाई और इनके चलते करीब 36 लाख महिला मतदाता, चुनावी प्रक्रिया में शामिल हुईं। स्वच्छता भी एक बड़ा फैक्टर रहा, जिससे प्रभावित होकर महिलाएं अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित हुईं। एसबीआई की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि स्वच्छता अभियान और इसके असर के चलते करीब 21 लाख महिला मतदाताओं की संख्या बढ़ी है। इनके अलावा साफ पीने का पानी, बिजली आदि ने भी महिला मतदाताओं पर सकारात्मक असर डाला है। हालांकि इनके चलते कितनी महिलाएं वोट करने के लिए प्रेरित हुईं, यह आंकड़ा बहुत बड़ा नहीं है।

मकान के मालिकाना हक ने बदली तस्वीर

रिपोर्ट के अनुसार, महिला मतदाताओं की चुनाव में बढ़ती भागीदारी में महिलाओं के मकान पर मालिकाना हक को भी अहम आंका गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के चलते 2024 के आम चुनाव में करीब 20 लाख महिला मतदाताओं में बढ़ोतरी हुई है। गौरतलब है कि पीएम आवास योजना के तहत आवंटित किए गए 74 प्रतिशत आवासों का मालिकाना हक महिलाओं के पास है। इसका सीधा असर महिला सशक्तिकरण पर हुआ है और इसने महिलाओं को चुनावी प्रक्रिया में भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

जनकल्याणकारी योजनाओं का असर बहुत बड़ा

रिपोर्ट में बताया गया है कि शिक्षा, रोजगार और बुनियादी जरूरतों पर फोकस करके महिला सशक्तिकरण को मजबूत किया जा सकता है और साथ ही उनकी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी बढ़ाई जा सकती है। इन फैक्टर्स से न सिर्फ जीवन की गुणवत्ता बेहतर होती है बल्कि इससे लोकतंत्र को भी मजबूती मिलती है और देश के सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य को भी आकार मिलता है।

भारत ने सीमा पर बढ़ाई तैनाती तो भड़क गया बांग्लादेश

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार हटने के बाद से ही भारत के साथ तनातनी बढ़ती ही जा रही है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर होने वाले हमले को लेकर भारत ने कई बार आपत्ति जाहिर की है। वहीं अब सीमा पर बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (क्चत्रक्च) और बीएसफ के बीच तनाव बढ़ गया है। आम तौर पर भारत और बांग्लादेश की सरहद पर शांति रहती थी। हालांकि घुसपैठ, कंटीले तारों की बाड़ की वजह से तनाव की खबरें। इसी बीच बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने सीमा पर तनाव को लेकर भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब किया है।

यह घटनाक्रम बांग्लादेश द्वारा यह आरोप लगाए जाने के कुछ घंटों बाद सामने आया है कि भारत द्विपक्षीय समझौते का उल्लंघन करते हुए भारत-बांग्लादेश सीमा पर पांच स्थानों पर बाड़ लगाने की कोशिश कर रहा है। वर्मा को दोपहर लगभग तीन बजे मंत्रालय में प्रवेश करते देखा गया। विदेश सचिव जशीम उद्दीन के साथ उनकी बैठक लगभग 45 मिनट तक चली। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की ओर से हालांकि चर्चा के संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया, लेकिन अधिकारियों ने पुष्टि की कि उच्चायुक्त को तलब किया गया है। बीते दिनों बीजीबी के एक कमांडर ने दावा किया था कि बांग्लादेशी सेना ने गोडालिया नदी के किनारे पांच किलोमीटर के इलाके पर कब्जा कर लिया है। इस बयान के बाद तनातनी की स्थिति बन गई थी। इसके बाद बीजीबी और बीएसएफ के अधिकारियों की फ्लैग मीटिंग बुलाई गई।

जीवन को लेकर आयुर्वेद, योग और नाथपंथ की मान्यता एक : सीएम योगी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारतीय मनीषा मानती है कि 'शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्'। अर्थात धर्म की साधना के लिए शरीर ही माध्यम है। धर्म के सभी साधन स्वस्थ शरीर से ही संभव हो सकते हैं। धर्मपरक जीवन से ही अर्थ, कामनाओं की सिद्धि और फिर मोक्ष प्राप्ति संभव है। इस परिप्रेक्ष्य में धर्म साधना से जुड़े जीवन को लेकर आयुर्वेद, योग और नाथपंथ की मान्यता के समान है।

सीएम योगी सोमवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) की तरफ से आयुर्वेद, योग और नाथपंथ के पारस्परिक अंतरसंबंधों को समझने के लिए आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन विशेष व्याख्यान दे रहे थे। मुख्यमंत्री

योगी आदित्यनाथ इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं। अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'आयुर्वेद, योग और नाथपंथ का मानवता के प्रति योगदान' विषय पर केंद्रित अपने व्याख्यान में उन्होंने कहा कि आयुर्वेद की मान्यता है कि चराचर जगत पंचभूतों से बना है। इन्हीं पंचभूतों से हमारा शरीर भी बना है। महायोगी गुरु गोरखनाथ ने भी कहा है कि पिंड में ही ब्रह्मांड समाया है। जो तत्व ब्रह्मांड में है वही हमारे शरीर में भी हैं।

आयुर्वेद, योग और नाथपंथ सबका ध्यान नियम-संयम पर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारतीय मनीषा में हर व्यक्ति के जीवन का एक अभीष्ट होता है, धर्म के पथ पर चलते हुए मोक्ष की प्राप्ति करना प्रति करना। धर्म की साधना के लिए स्वस्थ शरीर की अपरिहर्ता हमारे ऋषियों, मुनियों ने बताई है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आयुर्वेद, योग और नाथपंथ, तीनों नियम-संयम पर जोर देते हैं। आयुर्वेद में जहां व्याधियों को दूर करने के लिए औषधियों और पंचकर्म की पद्धतियां हैं तो वही योग में भी हठयोग, राजयोग, ज्ञानयोग, लययोग और क्रियायोग की विशिष्ट विधियां हैं। इसी क्रम में शरीर की आरोग्यता के लिए नाथपंथ का हठयोगी योग को खट्कर्म से जोड़ता है। आयुर्वेद, योग और नाथपंथ की पद्धतियां, तीनों ही वात, पित्त और कफ से जनित रोगों के निदान के लिए एक मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं और वह मार्ग है नियम-संयम। सीएम योगी ने कहा कि आयुर्वेद, योग और नाथपंथ तीनों ही व्यवहारिकता के स्तर पर एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। तीनों ने ही शरीर को पंचभौतिक माना है।

नाथ योगियों ने दिया है अंत :करण की शुद्धि पर जोर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नियम-संयम का जीवन में बड़ा महत्व है। योग ने उसी को जोड़ा है। अंत:करण की शुद्धि नियम-संयम से ही हो सकती है। नाथ योगियों ने क्रियात्मक योग के माध्यम से नियम संयम की विशिष्ट विधा दी है। कौन सी क्रिया का लाभ कब प्राप्त होगा, नाथ योगियों ने इसे विस्तार से समझाया है। उन्होंने कहा कि योग के कई आसनों के नाम नाथ योगियों के नाम पर हैं जैसे गोरखआसन, मत्स्येंद्रआसान, गोमुखआसन आदि। सीएम योगी ने कहा कि नाथ परंपरा में हर नाथ योगी जनेऊ धारण करता है जो उसे शरीर की नाड़ियों से अवगत कराता है। नाथ जनेऊ की उपयोगिता उसे योगी की दीक्षा के समय बताई जाती है। योग हर नाथ योगी के जीवन का अभिन्न हिस्सा होता है।

चेतना के उच्च आयाम पर पहुंचने का मार्ग दिखाया गुरु गोरखनाथ ने

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरु गोरखनाथ ने चेतना के उच्च आयाम तक पहुंचाने का मार्ग दिखाया है। उन्होंने चेतन मन के साथ ही अवचेतन और अचेतन मन को साधने की क्रिया भी सिखाई है। मानव मन, बिना साधना के जितना चेतन होता है वह संपूर्ण चेतना का बहुत छोटा भाग है। योग के माध्यम से साधना की चरम सीमा पर जाकर हम अवचेतन और अचेतन मन के रहस्यों को उद्घाटित कर सकते हैं। नाथ योगियों की साधना का उद्देश्य भी यही रहा है।

शरीर की साधना से ही अष्ट सिद्धियों की प्राप्ति

मुख्यमंत्री ने कहा कि शरीर की यही साधना अष्ट सिद्धियों और नौ निधियों को प्राप्त करने का माध्यम भी है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार जीवन के लिए प्राण आवश्यक है उसी प्रकार मन की वृत्तियों और शरीर के बीच तारतम्य स्थापित करने के लिए प्राणायाम भी आवश्यक है।

भारत की ज्ञान धारा को प्राप्त हो रहा प्राचीन गौरव

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अपने प्राचीन ज्ञान के धरोहरों से हमने दूरी बनानी प्रारंभ की तो एक समय ऐसा भी आ गया कि भारतीय हीन भावना का विषय बन गए। अपने दिव्यज्ञान के स्रोत से वंचित होते गए। हमारी प्राचीन आयुर्वेद की दवाओं को बाहरी लोगों ने पेटेंट करना शुरू कर दिया। पर, आज यह सुखद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत की प्राचीन ज्ञान धारा, आयुर्वेद और योग को फिर से प्राचीन गौरव प्राप्त हो रहा है। पूरी दुनिया एक बार फिर आयुर्वेद और योग के प्रति केंद्रित होकर भारत के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित कर रही है।

सृष्टि के कालखंड की सबसे प्राचीन है भारतीय संस्कृति

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की सभ्यता और संस्कृति अति प्राचीन है। सृष्टि के कालखंड की सबसे प्राचीन संस्कृति भारतीय संस्कृति को माना जाता है। अलग-अलग कालखंड में ऋषियों, मुनियों ने अपनी ज्ञान के धारा के अनुभव से इसे नया आयाम प्रदान किया। पहले ज्ञान की परंपरा गुरु शिष्य के माध्यम से श्रवण परंपरा थी। उसे लिपिबद्ध करने का कार्य महर्षि वेदव्यास ने चार संहिताओं के माध्यम से किया। महर्षि वेदव्यास ने न केवल चार वेदों ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद की रचना की बल्कि उन्होंने श्रीमद्भागवत पुराण समेत 18 पुराणों की रचना को भी ज्ञान से जोड़कर भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ाया। महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित श्रीमद्भागवत पुराण आज भी भारत वासियों को धर्म का सही मार्ग दिखाता है।

तीन बच्चों के साथ दंपती ने निगला जहर, हालत गंभीर, इस वजह से उठाया कदम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में गागलहेड़ी थानाक्षेत्र के देहरादून-हाईवे पर बाइक सवार दंपती ने अपने तीन बच्चो संग जान देने का प्रयास किया। बताया गया कि बाइक रोककर दंपती ने हाईवे किनारे तीन बच्चों साथ मिलकर जहरीले पदार्थ का सेवन किया। राहगीरों द्वारा देखे जाने पर गंभीर हालत मे सभी को जिला चिकित्सालय मे भर्ती कराया गया है।

देहरादून हाईवे पर हरोड़ा गांव के निकट बन रहे पुल के समीप बाइक सवार दंपती अपनी बाइक रोक कर खडे. हुए थे। कुछ देर बाद ही दंपती सहित बच्चो की तबीयत अचानक से खराब होनी शुरू हुई और सभी उल्टियां करने लगे। मौके से गुजर रहे राहगीर ने उनसे पूछताछ की तो उन्होंने बताया कि हम सभी ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया है। राहगीरों ने देहरादून की ओर से

आती एक प्राइवेट गाड़ी से सभी को नजदीकी हरोड़ा सीएचसी पर पहुंचाया, जहां पर चिकित्साकों ने सभी की जांच कर जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। गंभीर हालत मे महिला ने बताया की उसका नाम रजनी है। वह अपने पति विकास पुत्र कर्म सिंह, बेटी परी (6),पलक(3) व बेटा विवेक डेढ़ वर्ष के साथ है। महिला ने बताया कि नन्दी फिरोजपुर के रहने वाले है। महिला के अनुसार उन्होंने जहरीला पदार्थ इस लिए खाया है क्योंकि उनके ऊपर बहुत कर्ज है। इससे परिवार बहुत परेशान है और जान देना चाहते हैं। पांच लोगों के जहरीला पदार्थ खाने की सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

व्यापारी भयमुक्त होकर व्यापार करें: पुलिस अधीक्षक

सुलतानपुर। काउंसिल आफ उद्योग व्यापार मंच के जिला अध्यक्ष कुलदीप गुप्ता के नेतृत्व में मंच का प्रतिनिधि मंडल नवागत पुलिस अधीक्षक अनुपम सिंह को पुष्पगुच्छ एवं अभिनंदन पत्र देकर स्वागत किया। इस परिचयात्मक भेंट में पुलिस अधीक्षक ने कहा कि व्यापारी भयमुक्त होकर अपना व्यापार करें। पुलिस 24 घंटे आपकी सुरक्षा हेतु उपलब्ध है और रहेगी। इस प्रतिनिधि मंडल में मण्डल अध्यक्ष अशोक कसौधन, जिला उपाध्यक्ष बृजेश खत्री, ज़िला महामंत्री राजेश माहेश्वरी, ज़िला कोषाध्यक्ष अरविंद द्विवेदी, नगर अध्यक्ष रवि सोनी, नगर उपाध्यक्ष राजीव श्रीवास्तव, सुधीर गुप्ता, नगर महामंत्री हरिशंकर, नगर सचिव मानिक लाल मौजूद रहें।

महाकुम्भ में उमड़ी भीड़ में मोदी और योगी के कट आउट संग सेल्फी लेने का दिखा क्रेज

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ प्रयागराज के पहले स्नान पर्व पौष पूर्णिमा स्नान पर सोमवार को संगम तट पर उमड़ी भीड़ में पीएम मोदी और सीएम योगी की तस्वीरों संग सेल्फी लेने और फोटो खिंचाने की होड़ दिखाई दी। नंदी द्वार पर लगे कट आउट के साथ तस्वीरें खिंचाने और सेल्फी लेने के लिए लोगों की भीड़ जमा दिखाई दी। भीड़ में महिलाओं और युवकों की भी संख्या सेल्फी और फोटो की होड़ में दिखाई दी।

मध्य प्रदेश के उज्जैन से आए ब्रजेश शर्मा ने कहा कि वे मोदी और योगी दोनों के प्रशंसक हैं। इस तस्वीर ने उन्हें आकर्षित किया। पूरे परिवार ने सेल्फी ली और फोटो खिंचाई है। यहां महाकुम्भ मेले में अच्छी व्यवस्थाएं की गई हैं।

महाराष्ट्र के पूना से महाकुम्भ मेला में स्नान करने आईं सुगंमा ढिप्पो ने कहा कि यहां महाकुम्भ मेले में काफी अच्छी व्यवस्थाएं हैं। नंदी द्वार पर हमने मोदी जी और योगी जी की काफी आकर्षक तस्वीर देखी तो उनके संग सेल्फी ली। हमारा पूरा परिवार इन दोनों नेताओं का फैन है।

दिल्ली से आई सुनीता स्वामी ने कहा कि हमें किस्मत से ये दोनों नेता मिले हैं। महाकुम्भ मेले में हमें इन नेताओं की इतनी आकर्षक तस्वीर दिखाई दी तो हमने इनके साथ सेल्फी ली। हमारा पूरा परिवार इन नेताओं की कार्यशैली का मुरीद है।

कौशांबी उत्तर प्रदेश से आए मनोज कुमार सिंह ने दोनों नेताओं के कट आउट के साथ सेल्फी ली। मनोज ने मेले और स्नान की व्यवस्थाओं की तारीफ की। मनोज ने कहा कि योगी जी और मोदी जी ने कुम्भ की काफी अच्छी व्यवस्था की है।

गोरक्षपीठाधीश्वर आज अर्पित करेंगे गुरु गोरखनाथ को खिचड़ी का भोग

» लाखों की संख्या में जुटेंगे श्रद्धालु, खिचड़ी चढ़ाने के लिए सोमवार से श्रद्धालुओं ने डाला डेरा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नाथपंथ की विशिष्ट परंपरा के अनुसार मंगलवार को ब्रह्म मुहूर्त में शिवावतार गुरु गोरखनाथ को लोक आस्था की खिचड़ी चढ़ाकर समूचे जनमानस की सुख-समृद्धि की मंगलकामना करेंगे। हालांकि बाबा गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाने के लिए श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला सोमवार से ही शुरू हो गया। मंगलवार को यहां आस्था का जन ज्वार नजर आएगा।

पूरी प्रकृति को ऊर्जस्वित करने वाले सूर्यदेव के उत्तरायण होने पर खिचड़ी चढ़ाने की यह अनूठी परंपरा पूरी तरह लोक को समर्पित है। मान्यता है कि बाबा गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाकर मन्नत मांगने वाला कभी निराश नहीं होता। अरुणोदय काल में मकर संक्रान्ति का महापर्व मंगलवार को मनाया जायेगा। इस दिन उत्तर प्रदेश, बिहार तथा देश के विभिन्न भागों के साथ-साथ पड़ोसी राष्ट्र नेपाल से भी लाखों की संख्या में श्रद्धालु बाबा गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाएंगे। आनुष्ठानिक कार्यक्रमों का शंखनाद भोर में ही हो जाएगा। सबसे पहले गोरक्षपीठ की तरफ से पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ खिचड़ी चढ़ाकर बाबा को भोग अर्पित करेंगे। इसके बाद नेपाल राजपरिवार की ओर से आई खिचड़ी बाबा को चढ़ेगी। इसके बाद मंदिर के कपाट खोल दिए जाएंगे और जनसामान्य की आस्था खिचड़ी के रूप में निवेदित होनी शुरू हो जाएगी।

मंदिर व प्रशासन की ओर से खिचड़ी महापर्व को लेकर श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधा का पूर्ण इंतजाम किया गया है। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री खुद सभी व्यवस्थाओं पर नजर बनाए हुए हैं। मकर संक्रांति पर्व को लेकर मंदिर व मेला परिसर सज धजकर पूरी तरह तैयार है। समूचा मंदिर क्षेत्र सतरंगी रोशनी में नहाया हुआ है। यहां श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला सोमवार से ही प्रारम्भ हो गया है। मंदिर प्रबंधन की तरफ से उनके ठहरने और अन्य सुविधाओं का पूरा इंतजाम किया गया है। प्रशासन की तरफ से रैन बसेरों में भी पूरी व्यवस्था की गई है।

एजेंट के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज

सुलतानपुर। पांच लाख रुपये की ठगी के मामले में अनी बुलियन कंपनी के एजेंट के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने गबन,धोखाधड़ी और मारपीट व गाली-गलौज का केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की है। मामला बल्दीराय थाने के इसौली गांव का है। पीड़ति अब्दुल कय्यूम के अनुसार गांव निवासी आलोक श्रीवास्तव अनी बुलियन कंपनी में एजेंट का काम करता था। आलोक ने कंपनी में पांच लाख रुपये निवेश करने पर छह माह में उसे छह लाख वापस देने की बात कही थी। एजेंट के झांसे में आकर उसने 30 जनवरी 2019 को उसे पांच लाख रुपये दे दिए। आरोप है कि निवेश का समय पूरा होने के बाद जब पीड़ति ने एजेंट से पैसे मांगने गया, तो उसे गाली देकर भगा दिया।पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई के लिए थाने से लेकर एसपी तक से गुहार लगाई, लेकिन न्याय नहीं मिला। विवश होकर कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

शत्रु संपत्ति पर कब्जा कर बना ली दीवार, तहसीलदार ने खुद फावड़ा चलाकर हटाया अतिक्रमण

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कुंदरकी। कुंदरकी नगर के गुलड़ तिराहे के पास शत्रु संपत्ति पर हो रहे अवैध निर्माण की शिकायत पर प्रशासन ने सख्त कदम उठाए। तहसीलदार सुदीप तिवारी मौके पर पहुंचे और जांच में शिकायत सही पाई गई। पहले निर्माणकर्ता को चेतावनी दी गई थी कि वह अतिक्रमण स्वयं हटा ले, लेकिन आदेश का पालन न होने पर तहसीलदार ने खुद फावड़ा चलाकर अवैध निर्माण गिरा दिया।

अधीनस्थ कर्मचारियों ने भी सहयोग किया और कुछ ही देर में निर्माणाधीन दीवार को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। तहसीलदार ने निर्माणकर्ता को सख्त चेतावनी दी कि अगर निर्माण सामग्री तुरंत नहीं हटाई गई तो उसे जब्त कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

एसडीएम बिलारी विनय कुमार सिंह ने बताया कि कुंदरकी क्षेत्र में शत्रु संपत्ति पर अतिक्रमण की शिकायत सही पाई गई। जांच के बाद तत्काल कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटा दिया गया है। अगर दोबारा कोई इस तरह का प्रयास करता है तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पालिका और कॉलेज समिति के बीच फंसे दुकानदार

चंदौसी में अतिक्रमण अभियान के दौरान संभल गेट स्थित बीएमजी इंटर कॉलेज के बाहर नाले पर बनी दुकानें ध्वस्त कर दी गईं। अब दुकानदार जहां तहां भटक रहे हैं। कुछ दुकानदारों ने घर खर्च चलाने के लिए किराए पर दुकानें लेकर व्यापार शुरू किया है। नगर पालिका और कॉलेज समिति से कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा।

दुकानदार पालिका के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। शहर में आठ नवंबर 2024 से अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया था। तीन दिसंबर को संभल गेट पर बीएमजी इंटर कॉलेज के बाहर बनी पालिका की 10 दुकानों को पालिका ने बुलडोजर से खाली करा कर ध्वस्त कर दिया। नगर पालिका ने सात दुकानों को पीछे की और कॉलेज परिसर में बढ़ा कर बनाने की बात कही है। तो वहीं कॉलेज प्रबंध समिति कॉलेज परिसर में दुकान बढ़ाने से इनकार कर रही है। ऐसे में दुकानदार परेशान हैं कि उन्हें दुकान मिलेगी भी या नहीं।

'मौत के बाद क्या होता है ...', खुदकुशी से पहले नौवीं के छात्र ने फोन में गूगल और यूट्यूब पर सर्च किया ये सब

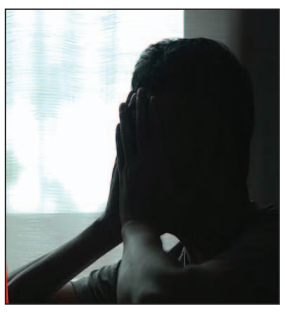

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

मेरठ। मेरठ के भावनपुर थाना क्षेत्र में गढ़ रोड स्थित एपेक्स कॉलोनी में शनिवार रात नौवीं के छात्र ने खुदकुशी कर ली। मूलरूप से बुलंदशहर के एक गांव निवासी छात्र ने कनपटी से देसी तमंचा सटाकर खुद को गोली मारकर जान दी।

पुलिस जांच में पता चला है कि मां और बड़े भाई के गलत संगत पर डांटने पर छात्र ने खुदकुशी की। इससे पहले छात्र ने मोबाइल में गूगल और यूट्यूब पर गरुड़ पुराण और मौत के बाद क्या होता, सर्च किया था। छात्र के आत्मघाती कदम से परिवार सदमे में है। मूलरूप से बुलंदशहर के एक गांव निवासी महिला मेडिकल कॉलेज में नर्स हैं। उनके पति की करीब एक वर्ष पूर्व बीमारी के कारण मौत हो गई थी। परिवार जागृति विहार में किराए के मकान में रहता था। छह माह पूर्व उन्होंने एपेक्स कॉलोनी में मकान खरीदा था।

वे यहां 17 वर्षीय बड़े बेटे और छोटे बेटे नौवीं के छात्र के साथ रह रही थीं। शनिवार रात करीब आठ बजे नर्स की ड्यूटी खत्म होने पर बड़ा बेटा उन्हें बाइक पर मेडिकल कॉलेज से लेकर घर लौटा था। उस समय छात्र घर की बालकोनी में खड़ा था।

अंदर से बंद था दरवाजा

मां और भाई को आते हुए देख वह कमरे में चला गया। छात्र ने कनपटी से तमंचा सटाकर खुद को गोली मार ली। गोली चलने की आवाज सुनकर मां और भाई कमरे की ओर दौड़े तो अंदर से दरवाजा बंद था।

कमरे में लहूलुहान मिला छात्र

खिड़की तोड़कर वे कमरे में दाखिल हुए तो वहां छात्र लहूलुहान पड़ा था। पड़ोसियों की मदद से परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे, लेकिन चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने परिजनों से घटना की जानकारी लेकर शव मोर्चरी भेजा। मौके से तमंचा भी पुलिस ने बरामद कर लिया है।

छह माह पहले तक मामा के यहां रहता था छात्र

परिजनों के मुताबिक, छह माह पहले तक छात्र अपने मामा के यहां जनपद बुलंदशहर में रहता था। दादी की मौत के बाद से वह अपनी मां और भाई के पास आकर रहने लगा था। वह गढ़ रोड पर काली नदी के पास स्थित स्कूल में पढ़ता था। बड़ा भाई इंटर की पढ़ाई के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा है। पुलिस के अनुसार, छात्र ने कुछ समय से गलत संगत में बैठना शुरू कर दिया था। जिस पर मां और भाई ने उसके साथ सख्ती दिखाते हुए डांट दिया था।

बुलेट बेचने से भी गुस्से में था

पुलिस ने बताया कि परिजनों ने छात्र को गलत संगत में बैठने पर डांटने के साथ ही उसकी बुलेट बाइक भी बेच दी थी। यह बाइक छात्र को काफी प्रिय थी। बाइक बेचने से भी वह गुस्से में था।

पूरे धनई की टीम ने पटैला को हराकर फाईनल मैच जीता

बलदीराय/सुल्तानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के स्थानीय कस्बे में सुन्दरलाल स्टेडियम औघड़ बाबा क्रिकेट क्लब बलदीराय के तत्वावधान में आयोजित ग्यारह दिवसीय कैनवास क्रिकेट प्रतियोगिता का सोमवार को समापन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 24 टीमों ने प्रतिभाग किया। फाइनल मैंच 'धनई सिंह का पुरवा की क्रिकेट टीम व पटैला क्रिकेट टीम के बीच खेला गया। कड़े मुकाबले में धनई सिंह का पुरवा क्रिकेट टीम ने फाइनल मुकाबला बड़े ही रोमाचंक ढंग से अपने नाम कर लिया।

बलदीराय के सुन्दर लाल स्टेडियम के मैदान में हो रहे क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबला में पहले टास जीतकर धनई का पुरवा क्रिकेट टीम ने पहले फिल्डिंग करने का फ़ैसला लिया। पहले बल्ले बाजी करते हुए पटैला क्रिकेट टीम ने निर्धारित 15 ओवर के खेल में सात विकेट के नुकसान पर 159 रन बनाए।

बरेली में युवक ने किया आत्मदाह : पत्नी से झगड़े के बाद खुद को लगाई आग, घर के बाहर जिंदा जलकर मौत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। बरेली के कैंट थाना क्षेत्र में एक युवक ने रविवार की रात आत्मदाह कर लिया। उसने पत्नी से झगड़े के बाद खुद को आग लगा ली। इसके बाद घर से बाहर गली में दौड़ा। मोहल्ले के लोगों ने जब तक आग बुझाई, तब तक वह बुरी तरह जल चुका था। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

जानकारी के मुताबिक बारादरी थाना क्षेत्र के सकलैन नगर का सलीम (उम्र करीब 40 वर्ष) पुत्र शहाबुद्दीन कैंट क्षेत्र के मुस्तफानगर सैदपुर खजुरिया में किराये के मकान में पत्नी के साथ रहता था। वह कबाड़ बीनने का काम करता था। उसकी पत्नी नाजमीन घरों में झाड़ू-पोछा का काम करती है। बताया जा रहा है कि सलीम शराब पीने का आदी था। जिसके चलते दंपती में आए दिन झगड़ा होता था।

मंजर देख सहम गए लोग

रविवार रात उसका पत्नी से फिर झगड़ा हो गया। इसके बाद सलीम ने खुद को आग लगा ली और घर से बाहर निकलकर गली में दौड़ा। चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी घरों से बाहर निकल आए। उन्होंने आग बुझाकर सलीम को बचाने का प्रयास किया, लेकिन गंभीर रूप से झुलस जाने के कारण मौके पर ही उसकी मौत हो गई। सलीम को लपटों से घिरा देख पड़ोसी सहम गए थे। लपटों से घिरे सलीम का किसी ने वीडियो बना लिया, जिसमें कुछ लोग आग बुझाने का प्रयास कर रहे हैं।

दो हजार रुपयों में कर सकेंगे अखाड़ा वॉक, साधु-संतों की जिंदगी को करीब से देखने का मिलेगा मौका

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। महाकुंभ में आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों को अखाड़ों के अद्भुत संसार को भी पास से जानने-समझने का भी अवसर मिलेगा। उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास कॉपरेशन (यूपीएसटीडीसी) की ओर से अखाड़ा वाक और हेरिटेज वॉक कराई जाएगी। इसके लिए दो-दो हजार रुपये का शुल्क निर्धारित किया गया है। हर दल में पांच से दस लोगों (कम से कम तीन) को प्रशिक्षित गाइड लेकर जाएंगे और उन्हें भ्रमण कर जानकारी देंगे।

प्रयागराज में पौष पूर्णिमा के साथ ही संगम पर डुबकी लगाने का सिलसिला शुरू हो गया है। पहला शाही स्नान मंगलवार को होगा। इसे देखने के लिए देश ही नहीं विदेश से भी काफी संख्या में पर्यटक व श्रद्धालु प्रयागराज पहुंच रहे हैं। इसे ध्यान में रखकर यूपीएसटीडीसी की ओर से अलग-अलग पैकेज तैयार किए गए हैं। जो महाकुंभ आने वाले लोगों के भ्रमण को और आसान व आकर्षक बनाने का काम करेगी।

अखाड़ा वॉक में एक-एक कर सभी अखाड़ों के शिविर में ले जाने और साथ ही नागा व अघोरियों से जुड़ी जानकारी लेने का मौका मिलेगा। उपलब्धता के अनुसार यहां के प्रमुख लोगों से बात कर वहां से जुड़ी जानकारी दिलाई जाएगी। वहीं हेरिटेज वॉक में महाकुंभ में और प्रयागराज में अलग-अलग भ्रमण कराया जाएगा। 2020 रुपये के पैकेज में सुबह सात बजे होटल इलावर्त, सिविल लाइंस से भ्रमण शुरू होगा। सबसे पहले त्रिवेणी संगम व अक्षयवट कॉरीडोर का भ्रमण कराया जाएगा।

इसके बाद लेटे हुए हनुमान जी मंदिर कॉरीडोर का दर्शन कराया जाएगा। यहां से वापस भारद्वाज आश्रम व चंद्रशेखर आजाद पार्क, इलाहाबाद म्यूजियम का 30-30 मिनट का भ्रमण कराएंगे। दोपहर में होटल इलावर्त में ही लंच होगा। इसके बाद श्रृंगवेरपुर धाम व निषादराज से जुड़े स्थलों का भ्रमण कराया जाएगा। वापस होटल इलावर्त आकर टूर समाप्त होगा। इस दौरान जहां प्रशिक्षित गाइड इन स्थलों से जुड़ी जानकारी पर्यटकों को देंगे। वहीं प्रयागराज की कचौड़ी-सब्जी, चाट, दही-जलेबी का लुत्फ लेने व खरीदारी करने का भी मौका मिलेगा। इसके लिए ऑनलाइन बुकिंग की जा सकती है।

2500 में फोटोग्राफी की सुविधा भी

भ्रमण के साथ ही महाकुंभ में यूपीएसटीडीसी की ओर से 2500 रुपये में फोटोग्राफी की भी सुविधा दी जाएगी। इसके तहत टूर फ्लोटिंग रेस्टोरेंट कीड़गंज से शुरू होगी। इसमें बोट के साथ-साथ संगम व मेला क्षेत्र में प्रमुख स्थलों पर भ्रमण कर फोटोग्राफी का मौका मिलेगा। साथ ही कुछ प्रमुख अखाड़ों व संतों के यहां भी भ्रमण कराया जाएगा। इसके लिए भी यूपीएसटीडीसी की वेबसाइट पर ऑनलाइन बुकिंग की जाएगी।

बीएसएनएल ने महाकुम्भ 2025 के लिए अपनी सेवाओं की शुरुआत की

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बीएसएनएल उ०प्र० (पूर्वी) परिमंडल के मुख्य महाप्रबंधक ए के मिश्र ने आज प्रयागराज के लाल रोड सेक्टर 2 में महाकुम्भ 2025 के लिए बीएसएनएल की सेवाओं का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रधान महाप्रबंधक (विक्रय एवं विपणन) श्री ज़फर इक़बाल, महाप्रबंधक (प्रयागराज बी ए) बी एन सिंह और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने भी उपस्थिति दर्ज की। यह सेवाएं महाकुम्भ की पूरी अवधि, 13 जनवरी 2025 से लेकर 26 फरवरी 2025 तक, उपलब्ध रहेंगी।बीएसएनएल ने महाकुम्भ के अवसर पर ग्राहकों के लिए कई नई सेवाएं उपलब्ध कराई हैं, जिनमें नया 4G सिम, पुराने सिम का 4G सिम में परिवर्तन, पोर्टेबिलिटी सेवा, लैंडलाइन और FTTH कनेक्शन बुकिंग, स्पॉन्सरशिप स्कीम के तहत एक दिन की मुफ्त मोबाइल सेवा और प्रमुख पैक सेवाएं शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, बीएसएनएल ने मेला क्षेत्र में 50 टावर लगाए हैं, ताकि नेटवर्क कनेक्टिविटी में कोई समस्या न आए।सिटी क्षेत्र में विभिन्न प्रचार माध्यमों के जरिए इन सेवाओं का प्रचार किया जा रहा है, जिसमें होर्डिंग्स, बैलून, फ्लेक्स बोर्ड, एलईडी स्क्रीन और मोबाइल चार्जिंग स्टेशन शामिल हैं। बीएसएनएल अन्य दूरसंचार क्षेत्र से आए हुए ग्राहकों के लिए सिम बिक्री सेवाएं भी उपलब्ध करवा रहा है, ताकि वे अपने क्षेत्रों में लौटने पर किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करें।

एटीएम कार्ड धोखे से बदलकर धोखाधड़ी करने वाले शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार, 7,000 रुपये नगद बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। आलमबाग थाना क्षेत्र में एटीएम कार्ड धोखे से बदलकर अकाउंट से पैसे निकालने वाले शातिर अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अभियुक्त के पास से 7,000 रुपये नकद, एक कूटरचित नंबर प्लेट और एक मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है।यह घटना 26 दिसंबर 2024 की है, जब मोहम्मद इरफान नामक व्यक्ति पटेल नगर स्थित एक्सिस बैंक के एटीएम से पैसे निकालने गया था। यहां पर एक अज्ञात व्यक्ति आकर उसका एटीएम कार्ड धोखे से बदलकर अपने कार्ड से बदल लिया और फिर उसके खाते से 25,000 रुपये निकाल लिए। इस संबंध में वादी ने 10 जनवरी 2025 को आलमबाग थाना में शिकायत दर्ज कराई थी।आलमबाग पुलिस ने आरोपित त्रिभुवन को 13 जनवरी 2025 को गिरफ्तार किया। अभियुक्त त्रिभुवन, जो कि महोबा का निवासी है, ने पूछताछ में बताया कि वह एटीएम कार्ड बदलकर और धोखाधड़ी से पैसे निकालता था।अभियुक्त के खिलाफ विभिन्न स्थानों पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें धोखाधड़ी और अन्य अपराध शामिल हैं। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के बाद उसके पास से एक भारतीय बैंक का एटीएम कार्ड, 7,000 रुपये नकद, एक कूटरचित नंबर प्लेट, और एक मोटरसाइकिल बरामद की।आलमबाग थाना पुलिस की टीम, जिसमें उप निरीक्षक अंकुर आनंद, पवन चौहान, और अभिषेक कुमार शामिल थे, ने यह कार्रवाई की। अब अभियुक्त के खिलाफ कानूनी कार्रवाई जारी है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने छुट्टा गोवंश के भरण-पोषण हेतु 2.5 अरब रुपये की धनराशि स्वीकृत की

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश के छुट्टा गोवंश के भरण-पोषण के लिए वर्तमान वित्तीय वर्ष में 2 अरब 50 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। यह धनराशि अस्थायी गोवंश आश्रयों की स्थापना, संचालन और गोवंश के भरण-पोषण पर व्यय की जाएगी। प्रत्येक गोवंश के लिए अधिकतम 50 रुपये प्रति दिन की दर से इस राशि का उपयोग किया जाएगा।इस संबंध में पशुधन विभाग ने शासनादेश जारी करते हुए निदेशक, प्रशासन विकास पशुपालन विभाग को अस्थायी गोवंश आश्रय के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं।उत्तर प्रदेश सरकार ने निराश्रित और बेसहारा गोवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए एक नीति भी लागू की है। इसके तहत राज्य के सभी ग्रामीण और शहरी निकायों में अस्थायी गोवंश आश्रय स्थल की स्थापना की गई है, ताकि संरक्षित छुट्टा गोवंश की देखभाल की जा सके।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का जनता दर्शन : समस्याओं का त्वरित समाधान करने के निर्देश

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने कैम्प कार्यालय 7- कालिदास मार्ग पर आयोजित जनता दर्शन में आये फरियादियों को विश्वास दिलाया कि हर समस्या का हर सम्भव समाधान किया जायेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक फरियादी की समस्या का त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान किया जाय और इसके लिए संबंधित की जवाबदेही तय की जाए। उन्होंने यह सुनिश्चित करने की बात की कि जन समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण हो और किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो।श्री मौर्य ने भूमि पर अवैध कब्जों और उत्पीड़न के मामलों को गंभीरता से हल करने के निर्देश दिए, साथ ही कहा कि जहां जरूरत हो, कठोर कार्यवाही की जाये। उन्होंने एक-एक व्यक्ति की समस्या को गंभीरता से सुना और अधिकारियों को त्वरित समाधान के लिए निर्देशित किया। उन्होंने महिलाओं, दिव्यांग जनों और बुजुर्गों की समस्याओं को प्राथमिकता देने की बात भी कही।जनता दर्शन में विभिन्न जिलों से आये फरियादियों ने भूमि विवाद, दुर्घटनाओं, अवैध कब्जे, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास आवंटन, अतिक्रमण हटाने, सड़क निर्माण, विद्युत समस्या, और अभियुक्तों की गिरफ्तारी से संबंधित समस्याएं रखी। श्री मौर्य ने स्वयं फरियादियों से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा करते हुए समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए दिशा निर्देश दिए।लखीमपुर, वाराणसी, शाहजहांपुर, प्रतापगढ़, औरैया, सीतापुर, एटा, मुजफ्फरनगर, बदायूं, हमीरपुर, हाथरस, मिर्जापुर, अमेठी, चित्रकूट, शामली, ललितपुर के जिला अधिकारी, पुलिस अधीक्षक और पुलिस आयुक्तों को भी निर्देशित किया गया। जमीन संबंधी मामलों में उन्होंने राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम बनाकर मौके पर भेजकर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बस का पहिया कंडक्टर के ऊपर चढ़ा, मौत

» सुशांत गोल्फ सिटी इलाके के अहिमामऊ चौराहे के निकट सवारियां बिठाते वक्त हुआ हादसा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी के अहिमामऊ चौराहे पर अवैध रूप से संचालित होने वाले अवैध स्टैंड पर बस में सवारियां बिठाते वक्त बस का पहिया उसी बस के कंडक्टर के ऊपर चढ़ गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को राम मनोहर लोहिया अस्पताल भिजवाया। जहां इलाज के दौरान मौत हो गई।

इंस्पेक्टर अंजनी कुमार मिश्रा ने बताया कि सोमवार की शाम अहिमामऊ चौराहे पर प्लासियो की ओर जाने वाले मार्ग पर जौनपुर को जाने वाले प्राइवेट बस का कंडक्टर सतीराम यादव (40) निवासी जिला अंबेडकर नगर बस में सवारियां बिठा रहा था। बस चालक मान बहादुर निवासी जौनपुर धीरे धीरे चला रहा था तभी कंडक्टर सतीराम अचानक बस की पिछली पहिया ने नीचे आ गया। पिछली पहिया ऊपर चढ़ गई। जिसके कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को इलाज के लिए लोहिया अस्पताल भिजवाया जहाँ इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सुशांत गोल्फ सिटी इंस्पेक्टर ने बताया कि घटना के बाद बस यूपी 45 बीटी 1934 व बस चालक मान बहादुर निवासी जौनपुर को हिरासत में ले लिया गया है।

संगठन पर्व' के रूप में मनाया जायेगा भारतीय दोसर वैश्य महासमिति का स्थापना दिवस

लखनऊ। भारतीय दोसर वैश्य महा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील कुमार गुप्ता,कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष जगदीश प्रसाद गुप्ता,प्रांतीय वरिष्ठ महामंत्री श्याम मूर्ति गुप्ता,प्रांतीय कोषाध्यक्ष पवन कुमार वैश्य एडवोकेट, प्रदेश प्रभारी संगम लाल गुप्ता, प्रांतीय युवाध्यक्ष श्रीकांत गुप्ता,युवा प्रभारी डॉ सुशील गुप्ता,लखनऊ महिलाध्यक्ष शोभना गुप्ता, महिला प्रभारी अल्पना गुप्ता तथा नगर युवाध्यक्ष अवधेश गुप्ता ने संयुक्त रूप से बताया कि जनवरी 2025 में 'संगठन के 6 वर्ष पूर्ण' होने के अवसर पर दिनांक 23जनवरी 2025दिन गुरुवार को,पुराना आर टीओ चौराहा,पंडित राम नारायण तिवारी चाट हाउस के सामने, लाटूश रोड,होटल शिमला पैलेस सभागार,लखनऊ में,दिन में 11बजे 'संगठन पर्व' कार्यकारिणी बैठक, तहरी भोज के साथ मनाया जाएगा।

साइकिल चोरी करने वाले दो शातिर अभियुक्त गिरफ्तार, 7 चोरी की साइकिलें बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पीजीआई थाना क्षेत्र में साइकिल चोरी की बढ़ती घटनाओं का पुलिस ने सफलतापूर्वक पर्दाफाश किया है। पुलिस ने दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया और उनकी निशानदेही पर 7 चोरी की साइकिलें बरामद कीं। गिरफ्तार अभियुक्त रामसिंह (50 वर्ष) और अरुण (25 वर्ष) दोनों गांधीग्राम, पीजीआई क्षेत्र के निवासी हैं।12 जनवरी 2025 को पीजीआई थाना में दो अलग-अलग शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें वादी जितेंद्र कुमार वर्मा और राजेश कुमार ने अपनी साइकिल चोरी होने की जानकारी दी। दोनों शिकायतों के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की और 13 जनवरी को मुखबिर की सूचना पर दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। अभियुक्तों की निशानदेही पर बरौली गांव के पास स्थित आम के बाग से चोरी की गई 7 साइकिलें बरामद की गईं। इनमें 6 रेंजर साइकिलें और 1 हीरो की देसी साइकिल शामिल है।पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे अपनी नशे की लत पूरी करने के लिए साइकिलें चुराकर बेचते थे। साइकिल चोरी का यह तरीका उनके लिए आय का एक स्रोत बन चुका था।पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों का आपराधिक इतिहास भी रहा है। रामसिंह और अरुण पहले भी कई चोरी के मामलों में शामिल रहे हैं। उनकी गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने इन दोनों के खिलाफ तीन अलग-अलग मामलों में कार्रवाई की है।इस सफलता पर पीजीआई थाना प्रभारी रविशंकर त्रिपाठी ने कहा कि इस गिरफ्तारी से क्षेत्र में चोरी की घटनाओं में कमी आने की उम्मीद है। पुलिस की टीम में उपनिरीक्षक विकास कुमार तिवारी, धीरेंद्र कुमार वर्मा, प्रशिक्षु अमर प्रजापति, हेड कांस्टेबल मनोज और कांस्टेबल नफीस खान शामिल थे। पुलिस अब क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और सतर्कता बनाए रखने के लिए काम कर रही है, ताकि ऐसी घटनाओं पर काबू पाया जा सके और नागरिकों को सुरक्षा का अहसास हो सके।

लापता व्यक्ति का मिला शव

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। गोसाईंगंज इलाके में महुरा खुर्द गांव से बीते आठ जनवरी से लापता व्यक्ति का शव गांव से कुछ दूरी पर लोनी नदी के किनारे सोमवार की दोपहर पड़ा मिला। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

एसएचओ ब्रिजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि गोसाईंगंज के महुरा खुर्द गांव निवासी राजेंश कुमार (55) बीते 8 जनवरी से लापता थे। परिजनो ने खोजबीन के बाद पता न चलने पर 9 जनवरी को गोसाईंगंज थाने पर गुमशुदगी दर्ज कराई। तभी से कुछ पता नही चल पा रहा था। सोमवार को गांव के लोग लोनी नदी के किनारे अपने मवेशी चरा रहे थे। तभी शव देख गोसाईंगंज पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त के बाद पोस्टमार्टम को भेज दिया। परिजन सत्यम वर्मा ने बताया कि मृतक को मिर्गी की शिकायत थी। उसका इलाज नूरमंजिल अस्पताल से चल रहा था।

महाकुम्भ तक निशुल्क यात्रा करायेंगी शटल बसें

लखनऊ। प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि परिवहन निगम अपने संचालित शटल बसों में महाकुम्भ 2025 में पड़ने वाले मुख्य स्नान पर्वों पर मुफ्त यात्रा करायेगा। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं/यात्रियों को बेहतर सेवायें उपलब्ध कराने के लिए परिवहन निगम कटिबद्ध है। मा0 मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर परिवहन निगम ने श्रद्धालुओं को मुफ्त यात्रा का लाभ देने जा रहा है। महाकुम्भ-2025 के दौरान मेला क्षेत्र में परिवहन निगम द्वारा 350 शटल बसों के संचालन की तैयारी है।

परिवहन मंत्री ने बताया कि महाकुम्भ-2025 में 13 जनवरी से 26 फरवरी तक कुल 06 मुख्य स्नान क्रमशः 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा, 14 जनवरी को मकर संक्रांति, 29 जनवरी को मौनी अमावस्या, 03 फरवरी को बसंतपंचमी, 12 फरवरी को माघी पूर्णिमा एवं 26 फरवरी को महाशिवरात्रि है।

राधा स्नेह दरबार ने जरूरतमंदों में बांटे कम्बल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। कड़कड़ाती ठंड में लाचार,असहाय व गरीबों को बचाने के लिए राधा स्नेह दरबार की सखियों ने सोमवार को पुरनिया गांव में कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। राधा स्नेह दरबार की अध्यक्ष बिन्दू बोरा ने बताया कि क्षेत्र के हर धर्म और समुदाय के जरूरतमंदों को कंबल दिया गया।

निर्धारित रूपरेखा के तहत दरबार द्वारा गरीब लोगों को मदद की जाती है। धर्म और जाति बंधन से दूर हटकर ठंड के मौसम में गर्म कपड़े और कंबल का वितरण किया जाता है। इस बार जिन्हें वास्तव में कंबल की जरूरत थी उन्हें ढूंढ कर दिया गया। वहीं अन्य दिनों में बच्चों के लिए पाठ्य सामग्री का वितरण एवं अन्य सामाजिक कार्य निरंतर किये जाते हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से दीपाली मित्तल,बीना गोयल अंशु अग्रवाल,विमला अग्रवाल आदि सखियां उपस्थित रहीं।

ट्रांसफार्मर से कॉपर और तेल चोरी करने वाले शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार, 30 लीटर तेल और नगद बरामद

लखनऊ। काकोरी थाना क्षेत्र में ट्रांसफार्मर से कॉपर और तेल चोरी करने की घटनाओं का पुलिस ने सफलतापूर्वक पर्दाफाश किया है। पुलिस ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया और चोरी के सामान के साथ उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त वाहन और उपकरण बरामद किए।12-13 जनवरी 2025 की रात काकोरी पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर मसरूफ खान (27 वर्ष), निवासी फरीदपुर, बरेली को गिरफ्तार किया। मसरूफ खान के पास से पुलिस ने एक बोलेरो मैक्स वाहन, 30 लीटर ट्रांसफार्मर का तेल, चोरी करने में प्रयुक्त लोहे के चैनल, रॉड और रिंच बरामद किए। इसके अलावा अभियुक्त के पास से 10,210 रुपये नगद भी मिले।पुलिस ने बताया कि मसरूफ खान ने अपने अन्य साथी बिल्लू उर्फ कदीर सहित मिलकर यह चोरी की घटनाएं अंजाम दी थीं।

पत्नी को थाईलैंड घुमाने ले गए थे डॉक्टर पति, होटल के बाथटब में तैरती मिली बीवी की लाश, हड़कंप

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। वृंदावन योजना स्थित एल्डिको सौभाग्यम में रहने वाली प्रियंका शर्मा (32) की थाईलैंड के एक होटल में रहस्यमय हालात में मौत हो गई। प्रियंका के डॉक्टर पति आशीष श्रीवास्तव उन्हें और बेटे प्रियांश (03) को लेकर चार जनवरी को घुमने थाईलैंड के पटाया शहर गए थे। प्रियंका के पिता सत्यनारायण शर्मा ने दामाद पर बेटी की हत्या का आरोप लगाया है। पीजीआई थाने में उरई मेडिकल कॉलेज में कार्यरत डॉ. आशीष के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया गया है।

सेक्टर 16 बी वृंदावन योजना में रहने वाले सत्यनारायण शर्मा के मुताबिक शादी के बाद से आशीष उनकी बेटी को परेशान करता था। आरोपी के अन्य औरत से नाजायज संबंध हो गए थे। इसकी जानकारी होने पर प्रियंका विरोध करती थी। खुद में सुधार करने के बजाय आरोपी उनकी बेटी को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करता था। तंग आकर प्रियंका ने पूर्व में आशीष श्रीवास्तव के खिलाफ पुलिस से शिकायत भी की थी। बेटी की मौत की जानकारी होने पर पिता ने राज्यसभा सदस्य डॉ. दिनेश शर्मा से मदद की गुहार लगाई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त ने केस दर्ज कर छानबीन के निर्देश दिए।

दोनों ने किया था प्रेम विवाह

प्रियंका पटना एम्स में एकाउंट का काम देखती थीं। वहीं पर आशीष सीनियर रेजीडेंट था। पटना एक्स में उनकी मुलाकात हुई थी। वर्ष 2017 में दोनों ने प्रेम विवाह कर लिया था। शादी के बाद आशीष की तैनाती उरई मेंडिकल कॉलेज में हो गई थी। चार फरवरी 2021 को प्रियंका ने बेटे को जन्म दिया। सत्यनारायण का आरोप है कि वर्ष 2021 में ही आशीष का किसी दूसरी महिला से अफेयर हो गया था। प्रियंका के विरोध करने पर आरोपी अक्सर उनकी पिटाई भी करता था।

दिल्ली में गलत ट्रैक पर जा रही है कांग्रेस, फिर से फंस गए हैं राहुल गांधी

देश की राजनीति के मैदान में राहुल गांधी को लगातार गलतियां करने वाले नेता के तौर पर जाना जाता है। कई बार तो राहुल गांधी जीता हुआ चुनाव भी हार जाते हैं। आरोप तो यहां तक लगाया जाता है कि राहुल गांधी के इर्द-गिर्द जो नेता रहते हैं, वे चाहते ही नहीं है कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस चुनाव जीते। इसलिए कांग्रेस के नेता लगातार राहुल गांधी को अजब-गजब फैसले लेने के लिए उत्साहित और प्रेरित करते रहते हैं।

राहुल गांधी कई बार चुनावी मैदान में सेल्फ गोल करते दिखाई देते हैं तो कई बार गलत ट्रैक पर जाकर रास्ता ही भटक जाते हैं। दिल्ली विधानसभा जैसे महत्वपूर्ण चुनाव में भी एक बार फिर से राहुल गांधी गलत ट्रैक पर जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह बात बिल्कुल सौ फीसदी सही है कि कांग्रेस के वोट बैंक को छीनकर ही आम आदमी पार्टी दिल्ली में अपराजेय पार्टी के तौर पर स्थापित हुई है लेकिन उतना ही बड़ा सच यह भी है कि कांग्रेस पार्टी अपना वह पुराना वोट बैंक आप से पूरी तरह से छीनने की स्थिति में नहीं है। ऐसे में बेहतर तो यह होता कि कांग्रेस अपने पुराने वोट बैंक को पाने के लिए फेज वाइज रणनीति बनाकर, उसे अमल में लाती लेकिन इसकी बजाय कांग्रेस रणनीतिक तौर पर एक बहुत बड़ी गलती करते हुए दिखाई दे रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपनी खोई जमीन पाने के लिए कांग्रेस MOS फॉर्मूला अपनाने जा रही है। यानी कांग्रेस दिल्ली में अल्पसंख्यक अर्थात मुस्लिम बहुल सीटों के साथ ही उन विधानसभा सीटों पर फोकस करेगी ,जहां-जहां ओबीसी और दलित मतदाताओं की संख्या ज्यादा है। हकीकत में कांग्रेस यहीं सबसे बड़ी गलती करने जा रही है। राहुल गांधी के करीबियों ने उन्हें यह सलाह देकर,एक बार फिर से उनके नेतृत्व में पूरी कांग्रेस पार्टी को गलत ट्रैक पर डाल दिया है। मंडल-कमंडल की राजनीति के दौर के बाद ओबीसी यानी अन्य पिछड़े वर्ग के मतदाता पूरी तरह से कांग्रेस से विमुख हो चुके हैं और इनकी वापसी की संभावना फिलहाल दूर-दूर तक नजर नहीं आ रही है। ऐसे में कांग्रेस के इस फॉर्मूले का असफल होना तय माना जा रहा है। दरअसल, राहुल गांधी को कांग्रेस को फिर से मजबूत करने के लिए MOS की बजाय BDM के फॉर्मूले को अपनाना चाहिए जिसके बल पर जवाहर लाल नेहरू और इंदिरा गांधी से लेकर राजीव गांधी और मनमोहन सिंह तक देश पर राज कर चुके हैं।

BDM फॉर्मूले का मतलब है - ब्राह्मण, दलित और मुस्लिम समुदाय। इसी समीकरण के बल पर कांग्रेस ने लंबे समय तक देश पर राज किया है। लोकसभा चुनाव के समय से ही मुस्लिम मतदाताओं के बड़े वर्ग ने कांग्रेस की तरफ लौटना शुरू कर दिया है। दिल्ली में भी इस बार के विधानसभा चुनाव में मुस्लिम मतदाताओं का वोट बड़े पैमाने पर कांग्रेस को मिलने की संभावना है और अगर कांग्रेस भाजपा को हराती हुई नजर आई तो पूरा मुस्लिम समाज कांग्रेस उम्मीदवारों को वोट देते हुए नजर आएगा। लेकिन इसके लिए कांग्रेस को BDM फॉर्मूले के - ब्राह्मण और दलित को भी अपने साथ जोड़ना होगा। दिल्ली का दलित आज की तारीख में अरविंद केजरीवाल के साथ खड़ा है और उन्हें अपने पाले में लाने के लिए राहुल गांधी को बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के मान-सम्मान की लड़ाई को और ज्यादा तेज करना पड़ेगा। ब्राह्मण मतदाताओं की बात करें तो दिल्ली में यह समाज आज की तारीख में भाजपा, आप और कांग्रेस - तीनों ही पार्टियों में बंटा हुआ है। राहुल गांधी अगर थोड़ी सी कोशिश भी करेंगे तो अन्य राजनीतिक दलों के ओबीसी राग से नाराज ब्राह्मण समाज पूरी तरह से कांग्रेस के पाले में खड़ा नजर आएगा। बताया जा रहा है कि राहुल गांधी 13 जनवरी को दिल्ली के चुनावी मैदान में उतर कर पहली जनसभा कर सकते हैं। राहुल गांधी को जोर-शोर से दिल्ली में चुनावी जनसभाएं, रोड शो और रैलियां करनी ही चाहिए। लेकिन उन्हें कांग्रेस के पूरे चुनाव प्रचार अभियान को BDM केंद्रित ही बनाना चाहिए और इसे जमीनी धरातल पर उतर कर क्रियान्वित भी करना चाहिए। गौर करने वाली बात यह है कि ब्राह्मण मतदाताओं का बड़े पैमाने पर साथ आना अन्य अगड़ी जातियों को भी कांग्रेस उम्मीदवारों को वोट देने के लिए प्रेरित कर सकता है।

ताकि बची रहे सांस्कृतिक बहुलता

यूनेस्को के अनुसार साल एक हजार ईस्वी तक दुनियाभर में नौ हजार से कुछ ज्यादा भाषाएं अस्तित्व में थीं। जिनकी संख्या घटते-घटते आज सात हजार के आसपास सिमट गई है।

उमेश चतुर्वेदी

यहां सवाल उठ सकता है कि भाषाओं को लेकर ऐसी बातों का संदर्भ क्या है? दरअसल संयुक्त राष्ट्र संघ के संगठन यूनेस्को ने भाषाओं को लेकर जो ताजा रिपोर्ट जारी की है, उसमें कहा गया है कि हर दो हफ्ते बाद दुनिया की एक भाषा मर रही है।

बीसवीं सदी के भाषा दार्शनिकों में लुडविग विट्गेंश्टाइन का नाम गंभीरता से लिया जाता है। लुडविग ने भाषा को लेकर अनोखी बात कही है, 'मेरी भाषा की सीमा का अर्थ है, मेरी दुनिया की चौहद्दी।' इसका साफ मतलब यह है कि हर व्यक्ति की अपनी भाषा दरअसल उसकी दुनिया होती है। ऐसी दुनिया, जिसमें सिर्फ भूगोल ही शामिल नहीं है, इतिहास भी है और संस्कृति भी, जिसमें परंपरा भी शामिल है और सदियों का अपना एक्सक्लूसिव ज्ञान भी। जिस तरह नदियां अपने उद्गम और अपने प्रवाह वाले इलाकों की पूरी संस्कृति और पर्यावरण के अथाह गुणों को खुद में समोए रहती हैं, भाषाएं भी नदी की भांति ही अपनी परंपरा, अपनी सोच, अपने दर्शन, अपने भूगोल और अपने इतिहास के साथ ही समूची संस्कृति को लेकर प्रवाहित होती रही हैं।

यहां सवाल उठ सकता है कि भाषाओं को लेकर ऐसी बातों का संदर्भ क्या है? दरअसल संयुक्त राष्ट्र संघ के संगठन यूनेस्को ने भाषाओं को लेकर जो ताजा रिपोर्ट जारी की है, उसमें कहा गया है कि हर दो हफ्ते बाद दुनिया की एक भाषा मर रही है। यूनेस्को के अनुसार, पहले जहां हर तीन महीने के अंतराल पर एक भाषा की मौत की खबर आती थी, वहीं साल 2019 के बाद इस गति में तेजी आई है। यूनेस्को के मुताबिक, इस दर से हर साल दुनिया से करीब नौ भाषाओं का अस्तित्व खत्म होते जा रहा है। साफ है कि अगर एक भाषा मर रही है तो दरअसल उस भाषा की अपनी विशिष्ट संस्कृति, उसकी अपनी सोच और उसका अपना परिवेशबोध मर रहा है। इन अर्थों में देखें तो भाषाओं का इस तरह मरते जाना दरअसल संस्कृतियों के बहुलवादी स्वरूप का संकुचित होते जाना है।

यूनेस्को के अनुसार साल एक हजार ईस्वी तक दुनियाभर में नौ हजार से कुछ ज्यादा भाषाएं अस्तित्व में थीं। जिनकी संख्या घटते-घटते आज सात हजार के आसपास सिमट गई है। यूनेस्को को आशंका है कि भाषाओं के मरने की यही दर बनी रही तो 21वीं सदी के अंत तक दुनियाभर की करीब तीन हजार भाषाओं का अस्तित्व खत्म हो चुका होगा। भाषाओं के जानकारों के अनुसार, यूनेस्को का यह आकलन उम्मीदों से भरा है। जबकि पश्चिम के कई भाषा और मानवशास्त्री मानते हैं कि अगर भाषाओं के मरने की गति ऐसी ही रही तो साल 2200 ईस्वी तक दुनियाभर में महज 100 भाषाएं ही जीवित रह पाएंगी। भाषाओं के लुप्त होने को लेकर भारत में एक अवधारणा यह है कि जो भाषा क्लिष्ट या कठिन होती जाती है, वह लोकव्यवहार में खत्म होते जाती है। संस्कृत भाषा के बारे में नहीं कह सकते कि वह खत्म हो चुकी है, लेकिन उसका चलन घट गया है। एक खास धारा की वैचारिकी और भाषा दार्शनिक संस्कृत के चलन से बाहर होने के लिए उसके गंभीर होते जाने का उदाहरण देते हुए भाषाओं के लुप्त होने का सिद्धांत गढ़ते रहे हैं। लेकिन क्या सचमुच भाषाएं सिर्फ इसी वजह से खत्म हो रही हैं कि वे क्लिष्ट या कठिन होती जा रही हैं? आधुनिक संदर्भों में देखें तो यह तर्क सही नहीं लगता। अंग्रेजी को ही लीजिए। कठिन अंग्रेजी बोलना शान का प्रतीक माना जाता है। इस लिहाज से तो उसे भी चलन से दूर होना चाहिए था। लेकिन उलटे वह बढ़ रही है।

आधुनिक विश्व में सबसे बेहतरीन व्यवस्था लोकतंत्र को माना जा रहा है। लेकिन यह लोकतंत्र सिर्फ राजनीतिक संदर्भों तक ही सिमटता जा रहा है। विश्व ग्राम में बदली दुनिया में हर देश में एकरूपता बढ़ती जा रही है। संस्कृतियां और उनकी अपनी विशिष्ट परंपराएं रोजाना के व्यवहार का विषय नहीं रहीं। उदारीकरण और वैश्वीकरण की वजह से पूरी दुनिया तकरीबन एक तरह से खानपान, एक तरह के पहनावे और एक तरह की भाषा की ओर आकर्षित होती जा रही है। पश्चिमी सभ्यता और उसका सलीका ही मानक बनते जा रहे हैं। इस लिहाज दुनियाभर की बोलियों में भी एकरूपता कभी सायासिक, तो कभी अनायास ही होती जा रही है। इस पूरी प्रक्रिया में छोटे समुदायों की भाषाएं लगातार किनारे होते जा रही हैं। चूंकि रोजी और रोजगार के लिए छोटे समुदायों की भाषाएं सहयोगी नहीं रह पाई हैं तो उनका चलन रोजाना की जिंदगी से कम होता जा रहा है और भाषाएं मर रही हैं। इसमें हर देश की अपनी केंद्रीय भाषा जहां केंद्रीय भूमिका में हैं, वहीं उसके देसज रूप लगातार या तो कमजोर हुए हैं या फिर लुप्त हो रहे हैं। कथित आधुनिक सोच इस प्रवृत्ति को और बढ़ावा दे रही है। भारत में अंग्रेजी इस आधुनिकता की वाहक है। इसी तरह कुछ प्रमुख भाषाएं अपने-अपने क्षेत्रों में आधुनिकता का केंद्रीय तत्व बन चुकी हैं।

इस पूरी प्रक्रिया में बहुत ऐसी भाषाएं हैं, जो इतने कम लोगों द्वारा बोली जाती हैं कि निकट भविष्य में उनका अस्तित्व ही नहीं रहेगा। यूनेस्को की रिपोर्ट 'एटलस-लुप्तप्राय भाषाएं' के अनुसार भारत में तीन ऐसी भाषाएं हैं, जिनके अस्तित्व पर संकट आ खड़ा हुआ है। इसमें पहले नंबर पर कर्नाटक की कोरगा है, जिसे बोलने वालों की संख्या महज सोलह हजार ही है। इसी तरह हिमाचल प्रदेश की सिरमौरी भाषा है, जिसे महज 31 हजार लोग ही बोलते हैं। इस सूची में तीसरे स्थान पर छत्तीसगढ़ की पारजी भाषा है, जिसे सिर्फ पचास हजार लोग बोल रहे हैं। जाहिर है कि इन भाषाओं के अस्तित्व पर संकट आ खड़ा हुआ है। एकीकरण के दौर में रोहिंग्या लोगों की भाषा हनीफी पर मरने के कगार पर है। यूरोप में ऐसे ही अस्तित्व के संकट से आयरिश, सिसिली और यिडिश भाषाएं भी जूझ रही हैं।

हमें याद रखना चाहिए कि भाषाओं की गहन विविधता सांस्कृतिक विविधता को ना सिर्फ सुनिश्चित करती है, बल्कि अपने क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को आकार देती है। अगर आज के दौर में किसी भाषा को पीछे धकेला जा रहा है या किनारे किया जा रहा है तो इसका मतलब यह भी है कि इसके जरिए एक तरह से उस भाषा विशेष के इलाके की संस्कृति का हिस्सा भी गायब हो रहा है। हर संस्कृति में सबकुछ लिखने की क्षमता नहीं होती, उसके कई तत्व श्रुति, स्मृति और चलन के सहारे जिंदा रहते हैं। भाषा के मरने के बाद संस्कृति का यह अलिखा हमेशा-हमेशा के लिए खत्म हो जाता है। इसलिए जरूरी है कि हम अपनी भाषाओं को जिंदा रखें। भाषाओं को जिंदा रखने के लिए स्थानीय स्तर पर कोशिशें भी हो रही हैं। चीन ने अपनी पुरानी मंदारिन को संरक्षित करने के लिए अभियान चला रखा है। नाइजीरिया अपनी भाषाओं को वाचिक रूप में बचाए रखने के लिए रिकॉर्ड करने का सहारा ले रहा है। भारत में भी कई लोग अपनी बोलियों के लिए ऐसी कोशिशें कर रहे हैं। मरती हुई भाषाओं के लिए व्यक्तिगत की बजाय सामूहिक कोशिशें होनी चाहिए। भाषाएं क्यों जरूरी हैं, इसे हमें अमेरिकी नारी वादी रीटा मे ब्राउन के शब्दों में समझ सकते हैं। रीटा कहती हैं, "भाषा किसी भी संस्कृति का रोडमैप होती है। वह आपको बताती है कि इसे बोलने वाले लोग कहां से आते हैं और कहां जा रहे हैं।"

अजब-गजब

जिस किस्मत ने तीन साल पहले बनाया करोड़पति, अब उसी ने छीनकर कर दिया खाक

कहा जाता है कि किस्मत का कोई भरोसा नहीं होता है, ये कब आपको फर्श से उठाकर अर्श पर और अर्श से उठाकर फर्श पर पटक दे! इसके बारे में कोई कुछ नहीं जानता है। इससे जुड़े कई किस्से आए दिन सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं। इन दिनों भी एक किस्सा सामने आया है। जहां एक आदमी पहले लॉटरी जीतकर अपने लिए आलिशान घर बनवाया और आज उसकी किस्मत ने उससे वो सबकुछ छीन लिया जो उसे कभी दिया था।

ये कहानी है एडविन कास्त्रो की, जिनकी किस्मत ने एक समय ऐसा दिया कि वो एक झटके में करोड़पति बन गए और अब हालत ऐसी हो गई है कि किस्मत ने उनसे उनका सबकुछ छीन लिया है। जहां वह एक झटके में अरबों के मालिक बने, लेकिन एक हादसे में फिर वहीं पहुंच गए, जहां से उन्होंने अपनी शुरुआत की थी। साल 2022 में वो उस समय चर्चा में आए थे, जब उन्होंने $2 104 बिलियन की राशि जीती थी, अगर आप इस राशि को भारतीय करेंसी में कंवर्ट करे तो ये 16932 करोड़ रुपये होते हैं।

इस जीत के बाद उनकी जिंदगी पूरी तरीके से बदल चुकी थी। एडविन ने भी इस जीत के बाद अपनी शान-ओ-शौकत बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। सबसे पहले उन्होंने हॉलीवुड हिल्स में अपने लिए $25 15 मिलियन का हॉलीवुड हिल्स में आलीशान मेंशन खरीदा। इसके अलावा उन्होंने $4 मिलियन और खर्च किए और अपने माता-पिता के लिए जापानी-स्टाइल घर वाला भव्य बंगला खरीदा और $47 मिलियन का बेल एयर का भव्य बंगला खरीदा।

हालांकि अब एक बार फिर वो चर्चा में है क्योंकि लॉस एंजेलिस की जंगलों में लगी भीषण आग ने उनसे उनका सबकुछ छीन लिया है। उनकी कई सारी प्रॉपर्टी आग की चपेट में आकर राख में तब्दील हो गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उनकी बीचफ्रंट प्रॉपर्टी, जो $3 18 मिलियन की पॉपर्टी जलकर एकदम खाक हो गई। इस किस्से को जानने के बाद हर कोई यही कह रहा है कि किस्मत का कोई भरोसा नहीं है और ये आपका साथ कभी भी छोड़ सकती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अमेरिका के लॉस एंजेलिस के जंगलों में आग अभी भी बेकाबू है। जिस कारण अब तक कम से कम 16लोगों की जान जा चुकी है और अब तक 16लोगों की जान जा चुकी है।

ब्लॉग

दिल्ली के चुनाव 'आप' के लिये परीक्षा की घड़ी

ललित गर्ग

देश का दिल कहे जाने वाली राजधानी दिल्ली में विधानसभा चुनाव-2025 का बिगुल बज चुका है, कड़कड़ाती सर्दी में भारतीय जनता पार्टी, आम आदमी पार्टी एवं कांग्रेस के बीच राजनीतिक दंगल के आगाज के साथ राजनीतिक पारा भी चढ़ने लगा है। उम्मीद की जा रही है कि ठण्ड का पारा गिरने-चढ़ने का रिकॉर्ड बनाने वाली दिल्ली इस बार मतदान का नया रिकॉर्ड बनाने के साथ राजनीति उठापटक का भी नया इतिहास बनायेगी। दिल्ली में चुनावों के ऐलान के साथ ही आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो चुका है। एक दूसरे की कलई खोलने की कोशिशें हो रही हैं। 'आप' दिल्ली में हैट्रिक लगाने की तैयारी में है, तो भाजपा सत्ता विरोधी लहर, शीश महल, भ्रष्टाचार के आरोप को आधार बनाकर उसे रोकना चाहती है। कांग्रेस अपनी खोयी जमीन को पाने की जद्दोजहद में जुटी है। सबसे दिलचस्प एवं रोमांचक इस चुनाव में देखना है दिल्ली की जनता किसके सर पर ताज पहनाती है?

चुनाव की घोषणा से पहले ही तीनों राजनीतिक दल आम मतदाता को लुभाने के लिये तरह-तरह की घोषणाएं करते हुए जनता से मुखातिब हो रहे हैं, जनता के बीच जा रहे हैं, सभाएं कर रहे हैं, यात्रा निकाल रहे हैं। 'आप' तमाम तरह की संकट एवं संघर्षपूर्ण स्थितियों के बावजूद मजबूती बनाये हुए है, क्योंकि आप-सरकार की योजनाएं और कार्यक्रम, जैसेकि सरकारी स्कूलों का कायाकल्प, मोहल्ला क्लीनिक और मुफ्त बिजली, साथ ही महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा और वरिष्ठ नागरिकों को फ्री में तीर्थ यात्रा कराना उसकी ताकत बनी हुई है। नयी घोषणाओं के साथ वह अपनी इस ताकत को बढ़ाते हुए 'आप' ने महिलाओं को 2100 रुपये हर महीने देने, बुजर्गों को फ्री इलाज, ऑटो चालकों को 10 लाख का बीमा देने, पंडितों एवं ग्रंथियों को 18 हजार प्रतिमाह जैसी कई योजनाओं का ऐलान किया है, जो पूरे चुनाव का रुख मोड़ सकती हैं। 'रेवड़ी पर चर्चा' जैसी मुहिम से 'आप' हर वोटर के घर तक पहुंच रही है। पब्लिक को बार-बार याद दिला रही है कि उनकी सरकार ने क्या-क्या काम किए हैं। लेकिन 'आप' के खिलाफ सरकार में 10 साल रहने की वजह से सत्ता विरोधी लहर काफी बढ़ गई है। कई वोटर बदलाव की जरूरत महसूस करते हैं। दिल्ली का विकास अवरुद्ध है, वायु प्रदूषण जानलेवा साबित हो रहा है, यमुना प्रदूषित हो चुकी है, जनता को पीने का शुद्ध पानी नहीं मिल रहा है, सड़के गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया समेत पार्टी के सभी प्रमुख नेताओं की भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तारी हुई है। 'शीश महल' विवाद ने अरविंद केजरीवाल की छवि को नुकसान पहुंचाया है। इससे पार्टी की साफ सुथरी छवि धूमिल हुई है। इसके अलावा मतभेद की वजह से कई नेता छोड़ गए, इससे केजरीवाल की जीत की संभावनाओं पर असर पड़ सकता है। लगता है कि 'आप' की उलटी गिनती तो शुरु हो गयी है, देखना है वह कहां जाकर रूकती है।

दिल्ली में जीत के नये कीर्तिमान गढ़ने वाली नई नवेली 'आप' ने साल 2013 में अपने पहले चुनाव में 70 में से 28 सीटें जीतकर सबको चौंका दिया था। उस समय भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी लेकिन 'आप' ने कांग्रेस से मिलकर सरकार बनाई। लेकिन यह सरकार सिर्फ़ 49 दिनों तक चल पाई। अरविंद केजरीवाल ने फ़रवरी 2014 में ये कहते हुए इस्तीफ़ा दे दिया कि दिल्ली विधानसभा में संख्या बल की कमी की वजह से वो जन लोकपाल बिल पास कराने में नाकाम रहे हैं, इसलिए फिर से चुनाव बाद पूर्ण जनादेश के साथ लौटेंगे। 2015 में जब चुनाव हुआ तो दिल्ली की राजनीति में इतिहास रचते हुए 'आप' ने 70 में से 67 सीटें जीत लीं। वर्ष 2020 में भी आप ने जीत का कीर्तिमान बनाते हुए 62 सीटें जीती। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार का चुनाव काफ़ी रोचक होने वाला है लेकिन यह 'आप' के लिये चुनौतीपूर्ण होने के साथ संकटपूर्ण है। जिस भ्रष्टाचार के मुद्दे पर अन्ना आंदोलन के बीच से आम आदमी पार्टी का जन्म हुआ, इसी मुद्दे पर भाजपा केजरीवाल को घेरने की पुरज़ोर कोशिश कर रही है। आप को भाजपा ही नहीं, कांग्रेस से भी बड़ा खतरा है। भाजपा ने अभी अपने पूरे उम्मीदवारों की सूची भी जारी नहीं की है लेकिन चुनाव प्रचार अभियान के लिए पार्टी ने अपने स्टार प्रचारक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उतार दिया है और उन्होंने अपनी पहली ही चुनावी सभा में आम आदमी पार्टी पर आक्रामक हमला बोलते हुए उसे दिल्ली के लिये 'आप-दा' यानी बड़ा संकट कह दिया है। आप के नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप, एलजी ऑफिस के साथ टकराव और कई अन्य फैसले 'आप' की विश्वसनीयता एवं सुदृढ़ता को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

दिल्ली विधानसभा का चुनाव इसलिए ज्यादा ही महत्वपूर्ण है कि इसका असर राष्ट्रव्यापी होता है। दिल्ली सरकर की सांविधानिक शक्तियां भले ही सीमित हों, मगर राष्ट्रीय मीडिया के केंद्र में होने के नाते इसके नेताओं को तुरंत राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पहचान बन जाती है। इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि दिल्ली को एक मॉडल स्टेट बनना चाहिए था, मगर न यह विकास का मॉडल बन सका और न ही सुचारू सुशासन प्रणाली का। दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था एवं विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर देश की राजधानी की दुर्दशा एवं ठहरा हुआ विकास एक बदनुमा दाग है, विडंबना यह है कि इसके लिए 'आप' सरकार दोषी होते हुए भी क्या आम जनता की अदालत में दोषी साबित होगी? भाजपा, कांग्रेस और आप तीनों के लिए यह विधानसभा चुनाव करो या मरो की स्थिति वाला है। पिछले तीन लोकसभा चुनावों से केंद्र में सरकार बनाने वाली और दिल्ली की सभी संसदीय सीटें लगातार जीतने के बावजूद भाजपा पिछले 26 वर्षों से राजधानी की सत्ता से दूर है। यही नहीं, दिल्ली नगर निगम में दशकों से कायम उसकी सत्ता भी छिन चुकी है। ऐसे में इस टीस को वह इस विधानसभा चुनाव में जरूर दूर करना चाहेगी और इसके लिये उसकी तैयारी ही केजरीवाल के लिये संकट का बड़ा कारण है। विश्लेषकों का कहना है कि यह चुनाव इसलिए भी रोचक होने जा रहा है क्योंकि इसके नतीजे राष्ट्रीय राजनीति को प्रभावित करेंगे और सबसे ज्यादा, आम आदमी पार्टी के भविष्य को तय करेंगे।

दिल्ली की यह चुनावी लड़ाई इस मायने में खास नहीं कही जाएगी कि इस बार भी वही तीनों दल प्रमुखता से मैदान में हैं, जो पिछले चुनावों में थे। 'आप' के अस्तित्व में आने के बाद से यहां त्रिकोणिय मुकाबला ही हो रहा है। यह अलग बात है कि इस अपेक्षाकृत नई पार्टी ने एक बार वर्चस्व स्थापित होने के बाद यहां अपनी पकड़ कमजोर नहीं होने दी। पिछले दो चुनावों में उसे दिल्ली की जनता से शानदार बहुमत मिला। नई और दो राज्यों में सत्तारूढ़ होने के बावजूद 'आप' ने मुफ्त की संस्कृति एवं आक्रामक शैली की राजनीति से अपनी अलग पहचान बनाई है। इस आक्रामकता एवं मुफ्त की संस्कृति ने जहां 'आप' को नई धार दी है, ताकत दी, पहचान दी वहीं अन्य दलों के साथ उसके संबंधों को भी सहज-सामान्य होने से रोका है। धीरे-धीरे उसकी यही ताकत उसकी कमजोरी बनती जा रही है। भाजपा एवं कांग्रेस भी उस पर हमले करने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ रही। इसमें खास बात सिर्फ यही है कि छह महीने पहले हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और आप दोनों ही विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन में शामिल थे और भाजपा पर संयुक्त हमला कर रहे थे। जाहिर है, इनके बीच की तीखी बयानबाजी इंडिया गठबंधन के अंदर असहजता पैदा कर रही है और शिवसेना (यूबीटी) जैसे दल इनसे संयम बरतने की अपील भी कर चुके हैं। जिस तरह से विधानसभा चुनाव-2025 लड़ा जा रहा है, उससे साफ है कि नतीजा चाहे जो भी हो उसके निहितार्थ दूर तक जाएंगे। दिल्ली की सत्ता 'आप' के आंतरिक समीकरण के लिहाज से भी अहम है। ऐसे में वह हर हाल में अपनी कामयाबी दोहराना चाहेगी। लेकिन इस चुनाव में परीक्षा सिर्फ इन राजनीतिक पार्टियों की नहीं, बल्कि दिल्ली के मतदाताओं की भी होगी कि वे अपनी समस्याओं के प्रति कितनी सजगता दिखाते हैं? इस बार दिल्ली की जनता को अपने हित की बजाय दिल्ली के हित में सोचना है। देखना है कि क्या जनता स्वहित के चलते आधे इंजन की सरकार बनायेगी या दिल्ली के समग्र एवं भ्रष्टाचारमुक्त शासन के लिये डबल इंजन की सरकार बनायेगी।

रथ यात्रा में हनुमान बने थे संभल के सीओ, अब विभाग ने अफसर पर चलाया 'गदा'

आर्यावर्त संवाददाता

संभल। नए साल के पहले दिन खग्गू सराय इलाके में 46 साल पुराने कार्तिकेय महादेव मंदिर में रथयात्रा आई थी। इस दौरान सीओ संभल अनुज चौधरी हाथों में गदा लिए हुए नजर आ आए थे। अब इस मामले में डीआईजी मुरादाबाद ने सीओ के खिलाफ जांच के आदेश दिये है। इस संबंध में पूर्व IPS और आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने DGP से शिकायत की थी।

संभल में 46 साल बाद खुले खग्गू सराय इलाके के कार्तिकेय महादेव मंदिर में कर्नाटक के किष्किंधा से रथयात्रा आई थी। यात्रा शहर में घूमते हुए मंदिर तक पहुंची थी। इस दौरान संभल सीओ अनुज चौधरी हाथों में गदा लेकर रथ यात्रा में नजर आए थे। इसके कई वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गए थे। जिस पर लोगों की तरह-तरह की प्रतिक्रिया सामने आ रही थी। कुछ लोग इस मामले में सीओ की जमकर तारीफ कर रहे थे। वहीं, कुछ लोग उनके धार्मिक आयोजन में वर्दी पहनकर शामिल होने का विरोध कर रहे थे।

CO संभल के खिलाफ होगी जांच

विरोध करने वाले वालों में पूर्वी आईपीएस अमिताभ ठाकुर भी शामिल थे। उनका कहना है कि किसी भी धार्मिक आयोजन में कोई भी वर्दीधारी इस तरह से शामिल नहीं हो सकता है, लेकिन सीओ अनुज कुमार शामिल हुए थे। उन्होंने इस संबंध में DGP से शिकायत की थी। शिकायत के बाद मुरादाबाद DIG ने इस संबंध में जांच के आदेश दिये है। पूर्व IPS ने धार्मिक यात्रा में हनुमानजी की गदा उठाने और वर्दी में धार्मिक कार्यक्रमों में होने पर CO अनुज चौधरी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

पूर्व IPS ने की थी DGP से शिकायत

पूर्व IPS अमिताभ ठाकुर ने अपनी शिकायत में कहा था कि ड्यूटी के दौरान सीओ वर्दी में धार्मिक कार्यक्रम में भाग लेते दिख रहे है, जो कि उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक आचरण नियमावली 1956 के नियम 3 और 4 का उल्लंघन है। इस संबंध में डीजीपी ने 6 अक्टूबर 2014 को सर्कुलर जारी करके जानकारी दी थी।

मुझे मेरी बहू से बचा लो... ' ससुरालवालों का आरोप- घर के हर मर्द पर किया रेप का केस, इंसाफ के लिए लगाई गुहार

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में एक बहू से पूरा परिवार परेशान है। यहां एक परिवार इंसाफ के लिए दर दर की ठोकरें खा रहा है। उनकी बहू ने पूरे परिवार का जीना मुश्किल कर दिया है।पूरा परिवार घर से बाहर किराए के मकान में रहने को मजबूर है। आलम यह है कि मां बाप समेत पूरे परिवार को गैंगरेप के झूठे मुकदमे में बहू ने जेल भिजवा दिया।

जेल जाने की वजह से देवर सेना में भर्ती के फाइनल में आकर बाहर निकल गया। बहू की प्रताड़ना से मां बाप काफी बीमार हो गए हैं, लेकिन फिर भी पुलिस से उन्हें इंसाफ नहीं मिल पा रहा है। पीड़ित सास गुहार लगा रही है कि मुझे और मेरे परिवार को मेरी बहू से बचा लो। ये मामला उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जहांगीराबाद थाना क्षेत्र से सामने आया है।

जहांगीराबाद के गांव लालू का पुरवा मजरे फतेह सराय के रहने वाले सूर्य कुमार शर्मा और तेजवाती शर्मा ने अपने पांच बेटों में से एक बेटे की चार साल पहले शादी की थी। आरोप है कि शादी के छह महीने के बाद ही बहु ने सभी को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। सास, ससुर और देवर समेत पूरे परिवार को दहेज प्रताड़ना के झूठे मुकदमे में फंसा दिया। ससुर, देवर समेत परिवार के बाकी पुरुषों को भी गैंगरेप के झूठे मुकदमे में फंसा दिया।

न्याय के लिए भटक रही सास

हालांकि सभी जेल काटकर बाहर आ गए हैं। सास ब्रेन हेमरेज और ससुर सांस की बीमारी से पीड़ित हैं। जेल जाने के चलते देवर का करियर भी बरबाद हो गया। वह सेना में भर्ती के आखिरी चरण से बाहर निकल गया। अब पूरा परिवार दर दर की ठोकरें खा रहा है। अपना मकान होने के बाद भी किराए के मकान में रहने को मजबूर हैं। हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी वह अपने घर नहीं जा पा रहे हैं। जिला प्रशासन की ओर से गठित कमेटी भी कोई फैसला नहीं ले रही है और पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिल रहा है।

'मुझे एक जोड़ी कपड़े चाहिए... ' पत्नी की डिमांड पर भड़का पति, फोन पर दिया तीन तलाक, एफआईआर दर्ज

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर से तीन तलाक का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। पत्नी ने अपने पति से एक जोड़ी नए कपड़े की मांग की थी। इस बात से पति ने इतना नाखुश हुआ कि उसने फोन पर ही पत्नी को तलाक दे दिया। तलाक के बाद पत्नी ने पति के खिलाफ थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि हमने महिला की शिकायत पर केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

जौनपुर के शाहगंज थाने के शाहपंजा मोहल्ले की रहने वाली दरख्शा बानो की चार साल पहले सुल्तानपुर जिले के कादीपुर थाना क्षेत्र के पुरानी बाजार इलाके में रहने वाले मेराज के साथ शादी हुई थी। मेराज मुंबई में रहकर नौकरी करता है। आरोप है कि पीड़िता ने पति से एक जोड़ी कपड़े और कुछ पैसे भेजने की गुजारिश की थी। इस बात पर पति ने फोन पर गाली देते हुए दरख्शा बानो को तीन तलाक दे दिया।

महिला का आरोप है कि शादी के बाद ससुराल वाले दहेज से संतुष्ट नहीं थे। पति और ससुराल वाले दो लाख रुपये और गाड़ी की मांग कर रहे थे। दहेज के लिए महिला को प्रताड़ित किया जाता रहा था, लेकिन फिर भी ससुराल में वह किसी तरीके से जिंदगी काट रही थी। महिला ने बताया कि सात जनवरी को उसने मेराज को फोन किया। मेराज मुंबई में है, मुंबई से मेराज का भतीजा घर आ रहा था।

फोन पर दिया तीन तलाक

इसपर पीड़िता ने पति से कहा कि वह भतीजे से उसके लिए कुछ पैसे और एक जोड़ी कपड़े भेज दे। बस इतनी सी बात पर मेराज भड़क गया और पीड़िता को गाली देते हुए फोन पर ही तीन तलाक दे दिया।इसके बाद महिला ने अपनी बहन को इसकी जानकारी दी। बहन ने पिता को सारी बात बताई गई। पिता, बेटी के ससुराल पहुंचकर ग्राम प्रधान समेत आस पास के लोगों से बात की, लेकिन जब कोई बात नहीं बनी तो वह बेटी को लेकर अपने घर चला आया।

थाने में दर्ज कराई शिकायत

फोन पर तीन तलाक मिलने के बाद पिता के साथ मायके पहुंची महिला की तहरीर पर शाहगंज कोतवाली थाने में आरोपी पति के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस आवश्यक कार्रवाई में जुट गई है।

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल द्वारा समरसता भोज का हुआ आयोजन

भरवारी, (कौशाम्बी)। नगर पालिका परिषद भरवारी में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल खिचड़ी समरसता भोज का आयोजन किया। शिशु मंदिर कॉलोनी मेहता रोड भरवारी में व्यापार मंडल भरवारी के अध्यक्ष वीरेंद्र केसरी महामंत्री राजेश अग्रहरि कोषाध्यक्ष ने विगत वर्षों की भर्ती इस वर्ष भी खिचड़ी समरसता भोज का आयोजन कर नगर के सभी व्यापारियों को आमंत्रित कर व्यापारियों की समस्याओं को भी सुना। जिसमें व्यापार मंडल के वरिष्ठ प्रांतीय महामंत्री रमेश अग्रहरि ने भरवारी नगर के व्यापारियों की सभी समस्याओं से रूबरू होकर उनकी समस्या का शीघ्र निदान करने के लिए कहा जिसमें व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष प्रवेश केशरवानी भी मौजूद होकर मकर संक्रांति की शुभकामनाएं बधाई दिया आज के इस कार्यक्रम में युवा व्यापार मंडल के नवनियुक्त अध्यक्ष हर्ष के शेरवानी उर्फ गोलू महामंत्री विवेक अग्रहरी कारी कोषाध्यक्ष प्रशांत सोनी को स्वागत व अभिनंदन किया गया।

संभल के कार्तिकेय मंदिर पहुंची विवेकानंद जनजागरण यात्रा, संत बोले- 'जहां मंदिर के प्रमाण मिल रहे हैं, उन्हें हिंदुओं को सौंप दें'

आर्यावर्त संवाददाता

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल में मुस्लिम बाहुल्य इलाके में 46 साल बाद कार्तिकेय महादेव मंदिर के कपाट खुले है। इस मंदिर पर 5100 किलोमीटर की शुरुआत करने वाले योगाचार्य डॉ विपिन पहुंचे। यहां पहुंच कर संतों ने मंदिर के दर्शन किए साथ ही हनुमान चालीसा भी पढ़ी। इसी दौरान डॉ विपिन ने मुस्लिमों से सौहार्द का परिचय देते मंदिर के प्रमाण वाले स्थलों को हिंदुओं के लिए छोड़कर सौहार्द का उदाहरण देने की अपील की।

युवा दिवस के मौके पर निकाली जा रही है स्वामी विवेकानंद जनजागरण यात्रा रविवार देर शाम संभल पहुंची, यहां लोगों ने यात्रा भव्य स्वागत किया। यात्रा में शामिल संतों ने खग्गू सराय स्थित कार्तिकेश्वर मंदिर में पूजा अर्चना करने के बाद वह प्रयागराज के लिए रवाना हो गए। इस यात्रा का नेतृत्व योगाचार्य डॉ.विपिन जोशी महाराज कर रहे है। उनकी यह यात्रा 5100 किलोमीटर की है, जिसका उद्देश्य स्वामी विवेकानंद के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना है।

'सौहार्द का उदाहरण दे अल्पसंख्यक समाज'

कार्तिकेय महादेव मंदिर में पूजा करने के बाद योगाचार्य डॉ.विपिन जोशी ने कहा कि सनातन का अतीत बहुत ही गौरवशाली रहा है। आगे अच्छा होने वाला है। जोशी महाराज ने कहा कि जहां भी मंदिर के प्रमाण मिल रहे हैं उन स्थानों को हिंदुओं को सौंपकर अल्पसंख्यकों को सौहार्द का उदाहरण देना चाहिये। साथ ही उन्होंने अल्पसंख्यकों को खोदा खोदी और ताकाझांकी छोड़ने की उन्होंने नसीहत भी है।

स्वामी विवेकानंद के जीवन से लेनी चाहिये प्रेरणा

संभल की पवित्र धरती में सराहनीय कार्य हो रहा है। यहां की धरती ऐतिहासिक धरती है। उन्होंने कहा कि यहां से ऐसी नजीर पेश होगी, जो सनातन का पताका पूरे विश्व में फहराएगी। योगाचार्य ने कहा कि युवाओं को स्वामी विवेकानंद के जीवन और शिक्षाओं से प्रेरणा लेनी चाहिये। स्वामी विवेकानंद ने हमें यह सिखाया कि सच्चा युवा वही है, जो अपनी शक्ति और समर्पण से समाज में सकारात्मक बदलाव लाता है। आज के युवाओं में उस ऊर्जा और जोश की आवश्यकता है, जो राष्ट्र की दिशा बदल सके।

रिश्वतखोर डॉक्टर... मेरठ पुलिस भर्ती में पास करने के लिए मांगे 50 हजार, कैंडिडेट का आरोप

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ में पुलिस कांस्टेबल की भर्ती चल रही है। पुलिस लाइन में 26 दिसंबर से पुलिस भर्ती में चार जिलों का वेरिफिकेशन चल रहा है। इसमें मेरठ, बागपत, हापुड़, बुलंदशहर का नाम शामिल है। वेरिफिकेशन के दौरान एक मामला सामने आया आया है, जिसमें मेडिकल के शारीरिक मानक परीक्षण में टेस्ट कर रहे डॉक्टर पर घूस लेने का आरोप लगा है। बागपत के निखिल से टेस्ट में पास कराने के नाम पर 50 हजार रुपए की रिश्वत मांगी गई है।

दरअसल 11 जनवरी को निखिल को पुलिस लाइन में डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन और शारीरिक मानक परीक्षण के लिए बुलाया गया था। जांच के दौरान डॉक्टर ने उससे सीने में फुलाव कम बताया और फुलाव बढ़ाने के लिए 50 हजार रुपए

मांगे। निखिल के पिता को लाइन के गेट नंबर 3 पर जाने के लिए कहा गया। निखिल राठी ने पुलिस कांस्टेबल भर्ती की लिखित परीक्षा पास की थी।

50 हजार मांगने का आरोप

शनिवार को मेरठ पुलिस लाइन में उसके सर्टिफिकेट का वेरिफिकेशन और शारीरिक मानक परीक्षण किया गया। निखिल ने बताया कि मेडिकल परीक्षण के दौरान डॉक्टर ने कहा कि उसकी छाती का फुलाव सही नहीं है। इसे सही करने के लिए बाहर गाड़ी में मौजूद शख्स से बात करने को कहा गया। निखिल के मुताबिक वह जब पुलिस लाइन के बाहर गाड़ी ढूंढने गया, तो उसे कोई गाड़ी नहीं मिली। वापस आकर उसने डॉक्टर से शिकायत की तो डॉक्टर ने निखिल के पिता का मोबाइल नंबर ले लिया। इसके बाद निखिल के पिता को फोन पर बताया गया कि उसके बेटे की छाती का फुलाव कम है और 50 हजार रुपए देने पर ही मामला ठीक होगा।

पिता ने पुलिस से की शिकायत

निखिल के पिता बताए गए स्थान पर पहुंचे और वहां खड़ी गाड़ी की फोटो खींच ली। गाड़ी में बैठे शख्स ने जब यह देखा तो वह तुरंत वहां से भाग गया। बाद में निखिल के पिता ने डॉक्टर को कॉल किया, तो उसने कहा कि आपके बेटे को फिट कर दिया गया है और अब कोई समस्या नहीं है। कैंडिडेट निखिल और उसके पिता ने इस पूरे मामले की शिकायत सिविल लाइन थाने में दर्ज कराई। भर्ती प्रक्रिया के नोडल अधिकारी एसपी ट्रैफिक राघवेंद्र मिश्रा ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। एसपी ट्रैफिक राघवेंद्र मिश्रा ने ये भी बताया कि ऐसी शिकायत सिर्फ एक कैंडिडेट ने ही की है।

गंगा में डूबे जय जनार्दन मिश्रा के घर पहुंचे सांसद, व्यक्त किया शोक

कड़ा, (कौशाम्बी)। कड़ा धाम थाना क्षेत्र के कड़ा धाम स्थित बाजार घाट में शुद्धि क्रिया के लिए परिवार के साथ गए जय जनार्दन मिश्रा उनके भाई जयकृष्ण अपने पुत्रों सहित कड़ा के बाजार घाट में स्नान के दौरान चार लोग गंगा नदी में डूब गए थे जिनमें जय कृष्ण मिश्रा , जय जनार्दन मिश्रा की मौत हो गई थी जबकि शिखर मिश्रा को गोताखोरों ने सुरक्षित बचा लिया था वही ऋषभ का आठ दिन बाद भी कोई सुराग नहीं लगा है। हादसे की जानकारी मिलते ही कौशांबी सांसद पुष्पेंद्र सरोज सोमवार को दिवंगत परिवार के घर पहुंचे और शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाते हुए मदद का आश्वासन दिया। कड़ा धाम थाना क्षेत्र के दारानगर निवासी रिटायर्ड फौजी जय जनार्दन मिश्रा पिछले रविवार को अपने पिता स्व0 मनमोहन मिश्रा के दसवां कर्मकांड के लिए अपने पुत्र ऋषभ व भाई जय कृष्ण मिश्रा एवं भतीजे शिखर मिश्रा के साथ कड़ा के बाजार घाट गए थे।

त्रिशूल, तलवार और भाला... नागा साधु अपने पास हथियार क्यों रखते हैं?

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। साधुओं की छवि आमतौर पर सांसारिक मोह माया और हिंसा से दूर रहने और साधना में लीन रहने वाली होती है। लेकिन जब बात नागा साधुओं की होती है, तो आपने देखा होगा कि साधना के बीच भी वे हमेशा अपने साथ अस्त्र रखते हैं। एक साधु का जीवन त्याग और तपस्या का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में यह सवाल उठता है कि आखिर एक साधु होकर भी नागा क्यों अस्त्र रखते हैं।

नागा साधु भगवान शिव के अनुयायी माने जाते हैं और उनकी पूजा करते हैं। कहा जाता है कि आदि शंकराचार्य ने सनातन धर्म की रक्षा के लिए ही नागा साधुओं और अखाड़ों की स्थापना की थी। इसलिए नागा साधु अपने अस्त्रों का इस्तेमाल धर्म की रक्षा के लिए करते हैं। उनका अस्त्र केवल आत्मरक्षा के लिए होता है, ना कि किसी को नुकसान पहुंचाने के लिए। नागा साधुओं के पास जो अस्त्र होते हैं, जैसे त्रिशूल, तलवार और भाला, उनका धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। त्रिशूल भगवान शिव का प्रिय अस्त्र है और इसे शक्ति, सृष्टि और विनाश का प्रतीक माना जाता है। इसे भगवान शिव की शक्ति का प्रतिनिधित्व करने के रूप में देखा जाता है।

वहीं तलवार और भाला वीरता और साहस के प्रतीक होते हैं। यह अस्त्र उन साधुओं के शौर्य और बलिदान का प्रतीक होते हैं जो धर्म और समाज की रक्षा में जुटे रहते हैं। नागा साधु इन अस्त्रों को केवल आत्मरक्षा के रूप में रखते हैं, ताकि अगर कभी जरूरत पड़े तो वे अपनी रक्षा कर सकें। इतिहास में जब भारत पर विदेशी आक्रमणकारी आए थे, तब नागा साधुओं ने अपने अस्त्रों का इस्तेमाल धर्म की रक्षा के लिए किया था। वे भारतीय मंदिरों, परंपराओं और संस्कृति की रक्षा के लिए लड़ते थे। नागा साधुओं का अस्त्र रखना इस बात का प्रतीक है कि वे किसी भी संकट की स्थिति में धर्म की रक्षा के लिए तैयार रहते हैं।

नागा साधु अपने अस्त्रों का इस्तेमाल केवल आत्मरक्षा और धर्म की रक्षा के लिए करते हैं। वे इसे किसी को नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं रखते हैं। उनके अस्त्र सिर्फ उनके तप और साधना का हिस्सा हैं, जो उन्हें शक्ति और साहस प्रदान करते हैं। नागा साधु अपने अस्त्रों के साथ एक जीवन जीते हैं जो न केवल उनके आत्मविश्वास और ताकत का प्रतीक है, बल्कि यह उनके धर्म की रक्षा के लिए उनकी तैयारियों को भी दर्शाता है। यह उनके जीवन में तप, त्याग और बलिदान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो उनके आध्यात्मिक और धार्मिक उद्देश्यों के साथ मेल खाता है।

नाना ने 9 साल की नातिन से की गंदी हरकत... बच्ची ने पिता से की शिकायत, पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर से एक शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है. एक नाना ने उसके घर आई नातिन के साथ गंदी हरकत की. नाना की हरकत को नातिन ने अपने पिता से बताया तो पिता ने थाने में नाना के खिलाफ केस दर्ज कराया. पुलिस ने नाना के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज कर लिया. अब पुलिस बच्ची के परिवार के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी.

दरअसल कानपुर के चकेरी थाना इलाके में बच्ची छुट्टियां मनाने के लिए नाना के घर गई थी, जहां छुट्टियों में 9 साल की नातिन गई थी। वहां उसके नाना ने ही उसके साथ गंदी हरकत की। पिता ने नाना के खिलाफ महाराष्ट्र के चंद्रपुर में ही केस दर्ज कराया। केस दर्ज होने के बाद ये मामला कानपुर के चकेरी थाने में ट्रांसफर किया गया।

छुट्टियां बनाने गई थी बच्ची

जानकारी के मुताबिक महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के रहने वाले मासूम के पिता एक ठेकेदार हैं। 11 साल पहले उनका विवाह चकेरी थाना क्षेत्र में हुआ था। उनकी 9 साल की बेटी अपनी मां के साथ अप्रैल 2024 में गर्मी की छुट्टियां बिताने के लिए चकेरी आई थी। इसके कुछ दिन बाद ही बेटी ने पिता को घर में उसके साथ हो रही गंदी हरकतों की जानकारी दी थी। पिता ने पुलिस को दी तहरीर में बच्ची की आपबीती बताई।

नहलाने के बहाने छेड़खानी

पिता ने कहा कि मासूम ने बताया कि मां ने कंप्यूटर कोचिंग शुरू की है।मम्मी और नानी जब कहीं जाते हैं, तो उसे घर में अकेला छोड़ जाते हैं। उसके बाद गाना उसे नहलाने के बहाने उससे छेड़खानी करते हैं। पिता को मासूम ने यह भी बताया कि नाना के डर से उसने यह बात अभी मम्मी और नानी को नहीं बताई है। नान के घर से आने के बाद से ही मासूम परेशान और गुमसुम सी रहने लगी थी। बेटी की ये हालत देखकर पिता ने मासूम से पूछा, तो उसने 13 अक्टूबर को उसके नाना के घर में उसके साथ हुई हरकत के बारे में बताया।

महाकुंभ में मुलायम सिंह की मूर्ति लगाने पर हंगामा, सपा बोली- साधु संत नहीं भाजपा कर रही विरोध

महाकुंभ। महाकुंभ में मुलायम सिंह यादव की प्रतिमा लगाने पर हंगामा मच गया है। वहां के साधु संत इसका विरोध कर रहे हैं। साधु संतों ने इसे हिंदू विरोधी बताया है। इस पर समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता फकरुल हसन चंद ने कहा साधु संत नहीं बीजेपी इसका विरोध कर रही है। उन्होंने कहा कि सपा मुलायम सिंह स्मृति सेवा संस्थान द्वारा कुंभ में जो श्रद्धालु आ रहे हैं, उनकी सेवा के लिए खाने के लिए व्यवस्था, रहने की व्यवस्था, कंबल की व्यवस्था पूरे सेवा भाव से की जा रही है और विरोध का सवाल है तो यह भारतीय जनता पार्टी विरोध कर रही है।

उन्होंने कहा कि कोई साधु संत विरोध नहीं करता। जो श्रद्धालु आ रहे हैं उनके लिए कोई निस्वार्थ भाव से कंबल वितरण कर रहा है तो कोई खाने की व्यवस्था कर रहा है। वहीं कोई रुकने की व्यवस्था कर रहा है।

समाजवादी पार्टी यह समझती है भारतीय जनता पार्टी राजनीति कर रही है। खुद कुछ काम नहीं करते और अगर कोई संस्थान नेताजी के नाम से कुछ कर रहा है तो भारतीय जनता पार्टी को दिक्कत है।

भाजपा को अपना स्टैंड साफ करना चाहिए- कांग्रेस

उधर, इस पूरे मामले पर कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता अंशु अवस्थी ने कहा कि मुलायम सिंह यादव उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हैं। उनकी मूर्ति लगाना अच्छी बात है और नेताओं की भी मूर्ति लगनी चाहिए। कांग्रेस पार्टी के गोविंद बल्लभजी पंत, जवाहरलाल नेहरू की मूर्ति लगनी चाहिए लेकिन भारतीय जनता पार्टी सरकार में मूर्ति लग रही, साधु संत विरोध कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा कभी आरोप लगाती है कि उन्होंने कारसेवकों पर गोली चलवाई थी। कभी पद्म भूषण देते हैं। सभी नेताओं की मूर्ति लगनी चाहिए। हम उनका स्वागत करते हैं लेकिन भाजपा को अपना स्टैंड साफ करना चाहिए इससे भाजपा का दोहरा चरित्र पता चलता है।

शनिवार को किया गया प्रतिमा का अनावरण

दरअसल, कुंभ में अलग-अलग संस्थानों ने अपने-अपने जगह अलॉट करवाए हैं। उसी में मुलायम सिंह न्यास सेवा समिति को स्थान मिला हुआ है, जिसमें मुलायम सिंह यादव की मूर्ति लगाई गई है। उसी का अनावरण किया गया है। करीब तीन फुट ऊंची इस प्रतिमा का अनावरण शनिवार को किया गया था।

मकर संक्रांति पर बनाया जाता है बाजरे का पुआ, ये कैसे पहुंचाता है फायदा

मकर संक्रांति के त्योहार पर बाजरे के पुआ बनाने की परंपरा है। बाजरे का पुआ खाने में तो टेस्टी होता ही है। लेकिन इसके साथ बाजरे के पुआ के कई हेल्थ बेनिफिट्स हैं जो हम आपको इस आर्टिकल में बताने जा रहे हैं।

मकर संक्रांति भारत के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। ये त्योहार न केवल सांस्कृतिक और धार्मिक रूप से खास होता है, बल्कि इस दिन ट्रेडिशनल फूड्स का भी एक खास महत्व है। देशभर में अलग-अलग जगहों पर इस त्योहार को अनोखे अंदाज में मनाया जाता है, लेकिन एक बात जो हर जगह समान होती है वो है इस दिन स्पेशल डिशेस बनना। बाजरा, मकर संक्रांति के दौरान खाए जाने वाले खास फूड में से एक है। ठंड के मौसम में बाजरे से बनी चीजें शरीर को गर्म रखने के साथ-साथ कई पोषण भी देती हैं। मकर संक्रांति पर बाजरे के पुआ को भी काफी पसंद किया जाता है। बाजरे का पुआ टेस्ट में तो लाजवाब होता ही है साथ ही ये पौष्टिक से भरपूर होता है।

बाजरा को ठंड के मौसम में सबसे ज्यादा खाया जाता है। इसमें फाइबर, प्रोटीन, आयरन, मैग्नीशियम और अन्य पोषक तत्व भरपूर पाए जाते हैं। बाजरे का पुआ, जो इसके आटे, गुड़ और घी से बनाया जाता है, न केवल टेस्ट में बढ़िया होता है बल्कि इसे खाना शरीर के लिए कई तरह से फायदेमंद भी होता है।

मकर संक्रांति पर खास तौर बनाया जाने वाला ये फूड ना सिर्फ परंपरा का हिस्सा है। आज इस आर्टिकल में हम आपको बाजरे का पुआ खाने के कुछ फायदे बताने जा रहे हैं। साथ ही बताएंगे की इसे आप घर पर आसानी से कैसे बना सकते हैं।

बाजरे का पुआ खाने के फायदे

शरीर को गर्म रखता है

मकर संक्रांति सर्दियों के बीच में आती है, और इस समय शरीर को अंदर से गर्म रखने के लिए न्यूट्रिशियस फूड की जरूरत होती है। बाजरे में नेचुरल रूप से शरीर को गर्म रखने वाले गुण होते हैं। बाजरे का पुआ ठंड में शरीर को ठंड से बचाने में मदद करता है और बॉडी में एनर्जी बनाए रखता है।

पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद

बाजरे में फाइबर की काफी ज्यादा पाया जाता है, जो पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है। ये कब्ज और बदहजमी जैसी समस्याओं को दूर करने में मदद करता है। बाजरे का पुआ खाने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है, जिससे ओवरईटिंग की समस्या भी कम होती है।

हड्डियों को मजबूत बनाता है

बाजरे में कैल्शियम और मैग्नीशियम की काफी हाई होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाते हैं। सर्दियों में हड्डियों में दर्द या जकड़न की समस्या आम होती है, और बाजरे का पुआ इस समस्या से राहत देने में मदद कर सकता है।

एनर्जी से भरपूर

मकर संक्रांति जैसे त्योहारों के दौरान दिनभर की भागदौड़ और काम के लिए ज्यादा एनर्जी की जरूरत होती है। बाजरे का पुआ जो गुड़ के साथ बनाया जाता है, शरीर को इंस्टेंट एनर्जी देने का काम करता है। गुड़ में नैचुरल मिठास होती है, जो खून में हीमोग्लोबिन के लेवल को भी बढ़ाती है।

डायबिटीज में फायदेमंद

बाजरे का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, जिससे ये ब्लड शुगर को कंट्रोल रखने में मदद करता है। अगर बाजरे का पुआ गुड़ की सही क्वांटिटी के साथ बनाया जाए, तो ये डायबिटीज के मरीजों के लिए भी फायदेमंद हो सकता है।

बाजरे का पुआ बनाने की रेसिपी

इंग्रीडिएंट्स

बाजरे का आटा 1 कप

गुड़ ½ कप (पिघला हुआ)

घी तलने के लिए

इलायची पाउडर ½ छोटा चम्मच

ड्राई फ्रूट्स कटे हुए

सबसे पहले गुड़ को पानी में मिलाकर घोल तैयार करें. बाजरे के आटे में धीरे-धीरे गुड़ का घोल डालकर गाढ़ा घोल तैयार करें.इसमें इलायची पाउडर और सूखे मेवे डालें. इसके बाद कढ़ाई में घी गर्म करें और इस घोल को छोटे-छोटे हिस्सों में डालकर पुए तलें. सुनहरे और कुरकुरे पुए तैयार होने पर इन्हें निकाल लें. गर्मागर्म पुए को परोसें और मकर संक्रांति का मजा लें.

मकर संक्रांति का त्योहार नजदीक है। इस त्योहार पर कई तरीके के अलग-अलग खाने बनाए जाते हैं, जो इस दिन को और भी खास बना देते हैं। तिल के लड्डू, तिल गुड की चिक्की और खिलड़ी से लेकर कई ऐसे पकवान हैं जिनके बिना मकर संक्रांति का त्योहार अधुरा है।

खानेपीने की इन चीजों के बिना अधूरा है मकर संक्रांति का त्योहार

मकर संक्रांति भारत के सबसे प्रमुख त्योहारों में से एक है, जो हर साल 14 या 15 जनवरी को मनाया जाता है। मकर संक्रांति न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि ये त्योहर स्वादिष्ट पकवानों और पारंपरिक व्यंजनों के लिए भी जाना जाता है। मकर संक्रांति को हर राज्य में अलग-अलग तरीके से मनाया जाता है। कहीं कहीं इसे खिचड़ी के नाम से भी जाना जाता है। वैसे तो इसे मनाने के तरीके सबके अलग-अलग हैं। लेकिन खाने का स्वाद एक ही है।

इस त्योहार में कई टेस्टी चीजें बनती हैं, जो हेल्थ के लिए भी काफी फायदेमंद होती है। जैसे, तिल-गुड़ के लड्डू, खिचड़ी, चिवड़ा, दही-चूड़ा, और कई ट्रेडिशनल फूड्स जिनके बिना मकर संक्रांति अधूरी है।अगर आप इस त्योहार को पूरी तरह से महसूस करना चाहते हैं, तो इन स्पेशल फूड्स को अपनी थाली में जरूर शामिल करें। आइए जानते हैं मकर संक्रांति पर बनने वाले स्पेशल डिशेज कौन-कौन सी हैं?

1- तिल-गुड़ के लड्डू

मकर संक्रांति पर तिल और गुड़ का खास महत्व है। इस मौके पर तिल और गुड़ के लड्डू जरूर बनाए जाते हैं। ये खाने में तो टेस्टी होते ही हैं। साथ ही ये सर्दियों में बॉडी को वॉर्म और एनर्जी देने में भी मदद करते हैं। इसे बनाने के लिए बस तिल को हल्का भूनें, गुड़ को पिघलाएं और दोनों को मिलाकर छोटे-छोटे लड्डू बना लें।

2- खिचड़ी

मकर संक्रांति पर खिचड़ी बनाने की परंपरा है।ये त्योहार के दिन सरल और सात्विक भोजन के रूप में बनाई जाती है। इसके लिए आप चावल, मूंग दाल, और सब्जियों को एक साथ पकाकर कर खिचड़ी तैयार कर लें और इसे घी या अचार के साथ परोसें। ये टेस्टी होने के साथ-साथ पोषण से भरपूर होती है।

3- दही-चूड़ा

दही-चूड़ा मकर संक्रांति का एक ट्रेडिशनल फूड है। इसे बनाना बेहद आसान है। आपको बस पोहा (चूड़ा) को धोकर ताजे दही के साथ सर्व करना है।इसे मीठा करने के लिए आप गुड़ या चीनी का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये लाइट और टेस्टी फूड पोषण से भरपूर होता है।

4- गजक, रेवड़ी और तिल-गुड़ की चिक्की

गजक , रेवड़ी और चिक्की मकर संक्रांति के हर घर में खाई जाने वाला स्नैक हैं। गुड़, तिल, और मूंगफली से बना ये स्नैक क्रंची और मीठा होता हैं। इनका स्वाद त्योहार की मिठास को और बढ़ा देता है। ।इसे बनाने के लिए गुड़ को पिघलाकर उसमें भुना हुआ तिल मिलाएं और ठंडा होने पर इसे टुकड़ों में काटें।

5- चिवड़ा मिक्स

मकर संक्रांति पर चिवड़ा मिक्स खाना भी एक परंपरा है। चिवड़ा को मूंगफली, नमकीन, और हल्के मसालों के साथ मिलाकर तैयार किया जाता है। ये हल्का और टेस्टी स्नैक है, जो दिन भर खाते रहने के लिए परफेक्ट है।

त्योहारों पर अलग-अलग तरीके फूड्स खाने और बनाने का अपना ही मजा है। लोहड़ी के फेस्टिवल पर भी कई तरह के पकवान बनाए जाते हैं, जिसमें तिल से बनी चीजें काफी खास होती हैं। ऐसे में आप इस लोहड़ी तिल से बनी 5 स्पेशल चीजें बना सकते हैं।

लोहड़ी पर बनाएं तिल और गुड़ की ये 5 टेस्टी चीजें, बढ़ जाएगा स्वाद

खासकर पंजाब और हरियाणा में बड़े धूमधाम से मनाया जाता है. ये त्योहार सर्दियों के अंत और फसल कटाई के मौसम की शुरुआत का प्रतीक है। लोहड़ी की रात को अलाव जलाकर उसके चारों ओर नाच-गाना और ट्रेडिशनल फूड्स इस त्योहार का अहम हिस्सा है इस खास मौके पर तिल और गुड़ से बनी चीजों का महत्व बहुत अधिक होता है।इस खास त्योहार पर तिल और गुड़ की कई चीजें बनाई जाती हैं, जो खाने में तो काफी टेस्टी होती है। साथ ही इनके हेल्थ बेनिफिट्स भी काफी होते हैं।

तिल और गुड़ सर्दियों के लिए बेहतरीन फूड आइटम में से एक है । ये न केवल शरीर को अंदर से गर्म रखती है, बल्कि सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद है। लोहड़ी के मौके पर तिल और गुड़ से बनी चीजें त्योहार का स्वाद और भी बढ़ा देती हैं। अगर आप भी इस बार लोहड़ी पर कुछ खास और टेस्टी बनाना चाहते हैं, तो 5 रेसिपीज को जरूर ट्राई करें।

तिल-गुड़ के लड्डू

लोहड़ी पर तिल और गुड़ के लड्डू बनाना सबसे आम और पसंदीदा ऑप्शन है। इसे बनाना भी बहुत आसान है और ये खाने में काफी टेस्टी होते हैं। इसे बनाने के लिए तिल को हल्का भून लें और गुड़ को पिघलाकर उसमें तिल मिला दें। इस मिक्सचर को गर्म रहते हुए छोटी-छोटी लड्डू की शेप दें। ये लड्डू सेहतमंद होते हैं और सर्दियों में शरीर को एनर्जी देते हैं।

तिल-गुड़ की रेवड़ी

लोहड़ी पर रेवड़ी का महत्व बहुत खास है।इसे बनाने के लिए तिल और गुड़ को मिलाकर छोटे-छोटे शेप की रेवड़ियां बनाएं।इसे कुरकुरापन देने के लिए थोड़े समय के लिए ठंडा होने दें।रेवड़ी खाने से पाचन बेहतर होता है और ये लोहड़ी की परंपरा का भी हिस्सा है।

तिल-गुड़ की चिक्की

तिल और गुड़ की चिक्की लोहड़ी के मौके पर बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आती है।गुड़ को धीमी आंच पर पिघलाएं और उसमें भुना हुआ तिल डालें। इस मिक्सचर को किसी चिकनी प्लेट में फैलाएं और ठंडा होने पर टुकड़ों में काट लें।ये टेस्टी स्नैक भी आपको इंस्टेंट एनर्जी देता है।

तिल-गुड़ की खीर

अगर आप लोहड़ी पर कुछ मीठा और खास बनाना चाहते हैं, तो तिल-गुड़ की खीर एक बेहतरीन ऑप्शन है। चावल और दूध में गुड़ मिलाकर खीर तैयार करें और इसे भुने हुए तिल से गार्निश करें। ये खीर टेस्टी होने के साथ-साथ पोषण से भरपूर होती है।

तिल-गुड़ के परांठे

लोहड़ी की सुबह नाश्ते में तिल-गुड़ के परांठे बनाने का अपना ही मजा है।तिल और गुड़ को मिलाकर एक भरावन तैयार करें। इसे आटे की लोई में भरकर परांठा बनाएं और घी के साथ परोसें। ये परांठा सर्दियों में शरीर को गर्म रखने और लंबे समय तक एनर्जेटिक रहने के लिए एक परफेक्ट ऑप्शन है।

जीओ का धमाका, इन प्लान के साथ अब यूजर्स को मिलेगा मुफ्त व्यू ट्यूब प्रीमीयम

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस जियो का सिम इस्तेमाल करते हैं तो आपके लिए बहुत बड़ी खबर है। जियो ने अपने ग्राहकों के लिए साल के दूसरे सप्ताह में एक बड़ा धमाका कर दिया है। जियो देश की सबसे बड़ी टेलिकॉम कंपनी है और ऐसे में कंपनी यूजर्स की जरूरतों का बखूबी ध्यान रखती है। अब कंपनी अपने जियो एयर फाइबर (JioAirFiber) और जियो फाइबर (Jio Fiber) यूजर्स के लिए एक शानदार ऑफर लेकर आई है।

Jio ने करोड़ों यूजर्स की करा दी मौज

49 करोड़ यूजर्स वाली नंबर एक टेलिकॉम कंपनी अपने जियो एयर फाइबर और जियो फाइबर यूजर्स को दो साल के लिए यूट्यूब का प्रीमियम सब्सक्रिप्शन ऑफर कर रही है। मतलब अगर आप जियो एयर फाइबर या फिर जियो फाइबर यूजर हैं तो अब आप पूरे 24 महीने तक यूट्यूब पर बिना विज्ञापन के वीडियो स्ट्रीमिंग कर पाएंगे।

आपको बता दें कि यूट्यूब प्रीमियम की भारत में शुरुआती कीमत 149 रुपये है। जियो के इस नए ऑफर के बाद अब आपको यूट्यूब पर आने वाले विज्ञापन बार-बार तंग नहीं कर पाएंगे। जियो फाइबर और जियो एयर फाइबर यूजर्स आज 11 जनवरी 2025 से ही इस ऑफर का फायदा ले सकेंगे।

रिलायंस जियो ने इस नए ऑफर को लॉन्च करने के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके यूजर्स को इसकी जानकारी भी दी। सब्सक्रिप्शन प्लान खरीदने के बाद आप ऐड फ्री कंटेंट के साथ साथ ऑफलाइन मोड में भी वीडियो को देख सकेंगे। मतलब अगर आपके मोबाइल में इंटरनेट कनेक्शन नहीं होगा तब भी यूट्यूब वीडियो को देख सकेंगे। हालांकि आप सिर्फ उन्हीं वीडियो को देख पाएंगे जो डाउनलोड होंगे। बता दें कि अगर आप यूट्यूब प्रीमियम मेंबर नहीं हैं तो आपको डाउनलोड वीडियो देखने के लिए भी डेटा की जरूरत पड़ती है।

इन प्लान्स में मिलेगा ऑफर

आपको बता दें कि रिलायंस जियो इस ऑफर को कुछ सेलेक्टेड रिचार्ज प्लान के साथ ही ऑफर कर हा है। अगर आप यूट्यूब पर वीज्ञापन फ्री कंटेंट देखना चाहते हैं तो आपके पास जियो एयर फाइबर या फिर जियो फाइबर का 888 रुपये, 1199 रुपये, 1499 रुपये, 2499 रुपये या फिर 3499 रुपये वाला प्लान होना चाहिए।

बीवी-बच्चों का साथ या वीकेंड पर ऑफिस का काम, भारत में क्या करना पसंद करते हैं लोग?

सुब्रह्मण्यन के बयान पर उद्योग जगत और आम लोगों से मिलीजुली प्रतिक्रिया मिल रही है। आरपीजी ग्रुप के चेयरपर्सन हर्ष गोयनका ने व्यंग्य करते हुए कहा, 'रविवार का नाम बदलकर 'सन-ड्यूटी' कर देना चाहिए और 'छुट्टी' को पौराणिक अवधारणा बना देना चाहिए।'

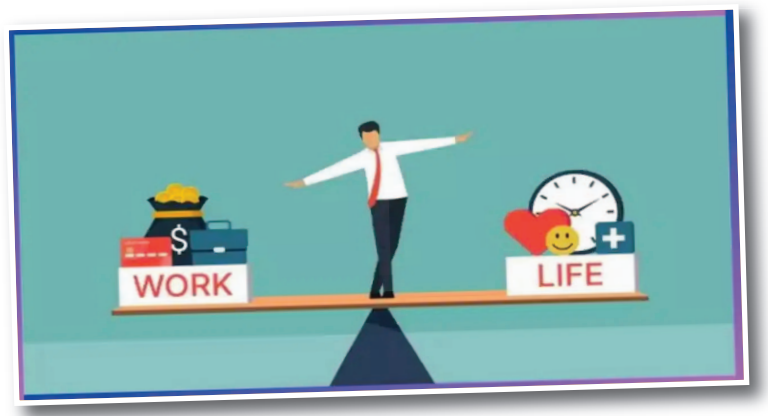

भारत, दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। इसके लिए प्रोडक्टिविटी में तेजी लाना और वर्क कल्चर में बदलाव करना काफी जरूरी है। हाल ही में, लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के चेयरमैन एसएन सुब्रह्मण्यन द्वारा दिए गए बयान ने वर्क लाइफ बैलेंस और लॉग वर्क टाइम के मुद्दे पर एक नई बहस छेड़ दी है।

सुब्रह्मण्यन की 90 घंटे काम करने की सलाह

सुब्रह्मण्यन ने एक वायरल वीडियो में कहा कि भारत को यदि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनना है, तो कर्मचारियों को सप्ताह में 90 घंटे तक काम करना चाहिए। उन्होंने चीन का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां की वर्क पॉलिसी ने उन्हें आर्थिक रूप से अमेरिका को चुनौती देने में सक्षम बनाया। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा, "आप घर पर क्या करते हैं? अपनी पत्नी को कितनी देर तक घूर सकते हैं?" उनके इस बयान से सोशल मीडिया पर नई बहस छिड़ गई है।

सोशल मीडिया पर आई ये प्रतिक्रिया

सुब्रह्मण्यन के बयान पर उद्योग जगत और आम लोगों से मिलीजुली प्रतिक्रिया मिल रही है। आरपीजी ग्रुप के चेयरपर्सन हर्ष गोयनका ने व्यंग्य करते हुए कहा, "रविवार का नाम बदलकर 'सन-ड्यूटी' कर देना चाहिए और 'छुट्टी' को पौराणिक अवधारणा बना देना चाहिए।" सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने उनके बयान को मानसिक स्वास्थ्य और परिवार के महत्व को नकारने वाला बताया।

नारायण मूर्ति और अडानी की राय

इससे पहले, इंफोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति ने भी हफ्ते में 70 घंटे काम करने की सलाह दे चुके हैं। उन्होंने इसे देश के विकास के लिए आवश्यक बताया। दूसरी ओर, अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने इस पर चुटकी लेते हुए कहा कि वर्क लाइफ बैलेंस व्यक्तिगत पसंद का मामला है। उन्होंने कहा, "अगर कोई 8 घंटे परिवार के साथ बिताता है और खुश रहता है, तो यह उसका संतुलन है।"

वर्क लाइफ बैलेंस पर बहस

यह बहस दर्शाती है कि आर्थिक विकास और कर्मचारियों की भलाई के बीच संतुलन बनाना कितना महत्वपूर्ण है। बेशक ज्यादा देर तक काम करके प्रोडक्शन बढ़ाया जा सकता है, लेकिन मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है।

भारत ने 2024 में जोड़ी 30 गीगावाट की रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता : केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में पिछले साल करीब 30 गीगावाट नई रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता जोड़ी है। यह आंकड़ा 2023 में जोड़ी गई 13.75 गीगावाट की क्षमता से 113 प्रतिशत अधिक है। यह जानकारी न्यू एवं रिन्यूएबल एनर्जी मंत्रालय द्वारा दी गई। 2024 में हुए विस्तार के साथ भारत की कुल रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता 218 गीगावाट की हो गई है।

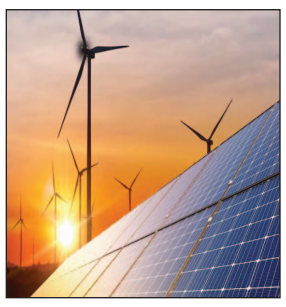

भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट की रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता विकसित करने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को पाने के लिए देश को अगले छह वर्षों में कम से कम 50 गीगावाट प्रति वर्ष की नई रिन्यूएबल क्षमता लगानी होगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर न्यू एवं रिन्यूएबल एनर्जी मंत्री, प्रह्लाद जोशी ने एक पोस्ट में लिखा कि वर्ष 2023 की 13.75 गीगावाट के मुकाबले 2024 में करीब 30 गीगावाट की तीव्र वृद्धि के कारण देश की कुल रिन्यूएबल क्षमता अब लगभग 218 गीगावाट की हो गई है। यह क्लीन एनर्जी के प्रति भारत की बढ़ती प्रतिबद्धता और हरित भविष्य के निर्माण में देश की प्रगति को रेखांकित करती है।

मंत्रालय के डेटा के मुताबिक, भारत के पास 31, मार्च 2014 तक 35.84 गीगावाट की रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता थी। वित्तीय वर्ष 2014-15 के बाद से, जब एनडीए सरकार ने केंद्र में बागडोर संभाली, भारत ने 2023-24 में 18.48 गीगावाट की उच्चतम रिन्यूएबल क्षमता वृद्धि दर्ज की। जेएमके रिसर्च के अनुसार, भारत ने कैलेंडर ईयर 2024 (जनवरी से दिसंबर) में 4.59 गीगावाट की नई रूफटॉप सोलर कैपेसिटी इंस्टॉल की है, जो 2023 की तुलना में 53 प्रतिशत अधिक है। इस वृद्धि का श्रेय मुख्य रूप से पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को जाता है, जिसे इस साल की शुरुआत में लॉन्च किया गया था। इस योजना ने देश भर में केवल 10 महीनों में 7 लाख रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन की सुविधा प्रदान की। विंड सेक्टर में 2024 में 3.4 गीगावाट की नई कैपेसिटी वृद्धि देखी गई, जो 2023 की तुलना में 21 प्रतिशत अधिक है। 2024 में इंस्टॉल्ड विंड एनर्जी कैपेसिटी का 98 प्रतिशत हिस्सा गुजरात (1,250 मेगावाट), कर्नाटक (1,135 मेगावाट) और तमिलनाडु (980 मेगावाट) तीन राज्यों से था।

कंटीले तार पर टेंशन, भारत-बांग्लादेश सीमा पर तनाव, दोनों देशों में हुई बातचीत

ढाका, एजेंसी। सीमा पर तनाव के बीच बांग्लादेश के विदेश सचिव जशीम उद्दीन ने भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा से मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने सीमा पर तनाव को लेकर चिंता जताई। दोनों के बीच करीब 45 मिनट तक बैठक चली। दरअसल, बांग्लादेश से शेख हसीना की सरकार के हटने के बाद दोनों देशों में तनाव देखा गया है। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के साथ अत्याचार हो रहा है। उसके साथ बर्बरता की जा रही है। उसको लेकर भारत सख्त है ही और अब बांग्लादेशी सीमा से घुसपैठ भी होने लगी है। हाल ही में बीएसएफ ने कई तस्करों को पकड़ा है।

सीमा पर सुरक्षा में सेंध न हो इसको लेकर बीएसएफ बॉर्डर पर कंटीले तार का इस्तेमाल कर रही है। बीएसएफ यह काम काफी लंबे समय से कर रही है। इसको लेकर बांग्लादेश ने आपत्ति जताई है। बांग्लादेश ने कहा कि भारत द्विपक्षीय समझौते का उल्लंघन कर रहा है और भारत-बांग्लादेश सीमा पर पांच स्थानों पर कंटीले तार लगाने की कोशिश कर रहा है। सीमा पर भारत की बाड़बंदी अनधिकृत है। बांग्लादेश के विदेश सचिव जशीम उद्दीन ने कहा कि ऐसी गतिविधियों से द्विपक्षीय संबंधों को नुकसान पहुंचेगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस मुलाकात से पहले ये खबर थी कि बांग्लादेश ने भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को तलब किया है। मगर बाद में खबर आई है कि उन्हें सीमा पर जारी तनाव पर चर्चा के लिए बुलाया गया था। बांग्लादेश के विदेश सचिव से मुलाकात के बाद भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा ने मीडिया से बातचीत में कहा, मैंने विदेश सचिव से मुलाकात कर सीमा को क्राइम फ्री करने, अपराधियों की आवाजाही पर रोक लगाने और मानव तस्करी की चुनौतियों से निपटने संबंधी मुद्दों पर चर्चा की।

कंटीले तार लगाने पर क्या बोला भारत?

उन्होंने कहा कि सीमा पर कंटीले तार लगाने के संबंध में हमारे बीच आपसी सहमति है। इस संबंध में बीएसएफ और बीजीबी (बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश) के बीच बातचीत जारी है। हम उम्मीद करते हैं कि आपसी सहमति को लागू किया जाएगा। वहीं, बांग्लादेश के विदेश सचिव जशीम उद्दीन ने कहा कि हमारी यह अपील है कि भारतीय अधिकारी कोई भी भड़काऊ बयान न दें। भड़काऊ कार्रवाई से बचें, क्योंकि इससे साझा सीमा पर तनाव बढ़ सकता है। सीमा पर मामले को इस तरह से सुलझाया जाना चाहिए जिससे सीमा पर शांति और सौहार्द कायम रहे।

इससे पहले बांग्लादेश के गृह मामलों के सलाहकार लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर) जहांगीर आलम चौधरी ने कहा था कि भारत ने बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश और स्थानीय लोगों के कड़े विरोध के कारण सीमा पर कंटीले तार लगाने का काम रोक दिया है। उन्होंने कहा कि भारत ने बांग्लादेश के साथ 4156 किलोमीटर लंबी सीमा में से 3271 किलोमीटर पर पहले ही बाड़ लगा दी है और लगभग 885 किलोमीटर सीमा बिना बाड़ के रह गई है। हाल में पांच क्षेत्रों में विवाद सामने आए हैं।

17 देशों के मंत्रियों ने सऊदी में की बैठक, बनाया रूस और ईरान को सदमा देने वाला प्लान

यरुशलम, एजेंसी। सीरिया के बदलते हालातों को लेकर सऊदी अरब के रियाद में 17 मध्य पूर्व और पश्चिमी देशों के मंत्रियों ने बैठक की है। इस बैठक के दौरान सीरिया के पुनर्निर्माण और सरकार की मदद करने के साथ-साथ अंतरिम सरकार पर सभी धर्मों और जातीय समूहों का प्रतिनिधित्व करने वाला प्रशासन चलाने के लिए दबाव बनाने को लेकर चर्चा हुई है।

इस बैठक के बाद सऊदी के विदेश मंत्री ने सीरिया के ऊपर लगे प्रतिबंधों को हटाने का आग्रह किया। नए शासन के बाद से ही सीरिया की ओर से प्रतिबंध हटाने और दूसरे देशों में सीरियाई रिफ्यूजी की सुरक्षित वापसी की मांग उठ रही है।

इस बैठक की एक खास बात ये रही कि इसमें रूस और ईरान को नहीं बुलाया गया है। जबकि बशर अल-असद के शासन के समय ये दोनों ही सीरिया के मजबूत अलाय थे। इस बैठक में सीरिया के विदेश मंत्री असद अल-शिबानी भी मौजूद रहे। पिछले हफ्ते अमेरिका ने आपातकालीन मानवीय सहायता और कुछ ऊर्जा आपूर्ति के प्रतिबंधों में ढील दी थी, जिसके बाद कतर ने रविवार को सीरिया को गैस का एक समुद्री टैंकर भेजा। सऊदी और ईरान के बीच मध्य पूर्व में वर्चस्व को लेकर लड़ाई है। इस सम्मेलन की मेजबानी सऊदी अरब की ओर से किए जाना भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इससे पता चलता है कि रियाद सीरिया के पुनर्निर्माण में तुर्की और कतर के साथ अग्रणी भूमिका निभाना चाहता है। बता दें, असद शासन के समय सऊदी अरब ने असद विरोधी गुटों को समर्थन दिया है।

यूके की महिला मंत्री के पीछे पड़ी बांग्लादेश की यूनुस सरकार, प्रधानमंत्री भी प्रेशर में

ढाका, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर पर दबाव डाला जा रहा है कि वह लेबर मंत्री ट्यूलिप सिद्दीक को हटाएं, क्योंकि ट्यूलिप पर आरोप है कि उन्होंने बांग्लादेश की पूर्व सरकार के समर्थकों से संपत्तियां ली हैं। बांग्लादेश के अंतरिम नेता मोहम्मद यूनुस ने उनके कामों की आलोचना की है और जांच की मांग की है। हालांकि सिद्दीक ने किसी भी गलत काम से इनकार करते हुए स्वतंत्र जांच करने को कहा है। बांग्लादेश के नए शासन की ओर से उनपर और उनके परिवार पर पूर्व शासन के सहयोगियों से संपत्तियां गिफ्ट में लेने का आरोप लगाया गया है, जिसके ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर पर उन्हें बर्खास्त करने का दबाव बढ़ रहा है। बता दें कि ट्यूलिप सिद्दीक पूर्व बांग्लादेशी पीएम शेख हसीना की भतीजी हैं और लेबर पार्टी की श्रम मंत्री है। सिद्दीक ट्रेजरी की आर्थिक सचिव हैं और वे ब्रिटेन में वित्तीय बाजारों में भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जाने वाले अभियानों में शामिल रही हैं। यूनुस ने द संडे टाइम्स को बताया कि वह चाहते हैं कि संपत्तियों की जांच भ्रष्टाचार विरोधी आयोग (ACC) करे, उन्होंने जोर देकर कहा कि हसीना की अवामी लीग के सहयोगियों द्वारा खरीदी गई संपत्ति बांग्लादेश को वापस कर दी जानी चाहिए। यूनुस ने अखबार से कहा, "यही अंतरिम सरकार की मंशा है, उन्हें वापस कैसे लाया जाए?"

विपक्षी नेता हुए हमलावर

सिद्दीक पर लगे आरोपों के बाद विपक्षी नेता भी इस मौके का फायदा उठाने में लग गए हैं। विपक्षी नेता केमी बेडेनोच ने रविवार को प्रधानमंत्रीस्टार्मरसे सिद्दीक को बर्खास्त करने की मांग की। बेडेनोच ने कहा, "स्टार्मर ने अपने दोस्त को भ्रष्टाचार विरोधी मंत्री नियुक्त किया और जोकि खुद भ्रष्टाचार की आरोपी हैं।" स्टार्मर ने पिछले हफ्ते कहा था कि उन्हें सिद्दीक पर भरोसा है।

मुख्य सलाहकार यूनुस ने कहा कि यह एक 'विडंबना' है कि सिद्दीक पर भ्रष्टाचार का आरोप है और वह ही भ्रष्टाचार विरोधी मंत्री बन जाती हैं और अपना बचाव करती हैं।

22 करोड़ के घर में रहती हैं सिद्दीक

संडे टाइम्स ने की खबर के मुताबिक दो बांग्लादेशी व्यापारियों से जुड़ी एक कंपनी ने 2005 में हसीना की सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले बैरिस्टर मोइन गनी को हैम्पस्टेड में एक फ्लैट गिफ्ट किया था। गनी ने इसे 2009 में सिद्दीक की बहन अजमीना को दिया और सिद्दीक उसमें रहने लगी, सिद्दीक के पास किंग्स क्रॉस में एक फ्लैट भी है जो उन्हें 2004 में अब्दुल मोतालिफ ने दिया था।

सोने का नया खजाना छोड़िए...पाकिस्तान के पास पहले से ही है वो खदान जो 3 साल में ही कर देगी कमाल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान लंबे समय से आर्थिक संकट से जूझ रहा है और आए दिन उसके नेता IMF या अरब देशों के दरवाजे पर मदद के लिए खड़े रहते हैं। इन सब बुरे दिनों के बाद पाकिस्तान को एक उम्मीद की किरण दिखी है। पाकिस्तान के जियोलॉजिकल सर्वे (GSP) ने करीब 32.6 मेट्रिक टन सोने का भंडार खोजा है। खबरों के मुताबिक इस विशाल सोने के भंडार की अनुमानित कीमत लगभग 600 बिलियन पाकिस्तानी रुपए है।

आपको ये जानकर हैरानी होगी इंडस रिवर पर मिला ये रिजर्व पहला नहीं है, पाकिस्तान को पहले ही एक जगह और इतना सोना मिल चुका है कि उसकी तीन साल में किस्मत बदल सकती है। पाकिस्तान के प्रांत बलूचिस्तान में मौजूद रेको डिक खदान अपने बड़े सोने और तांबे के

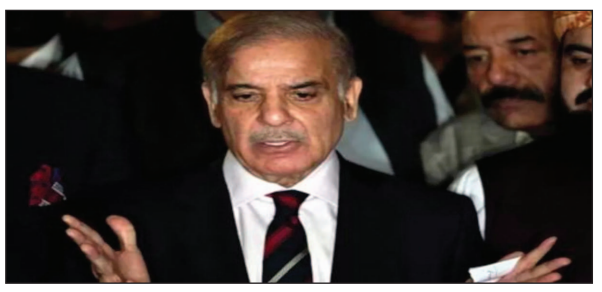

रिजर्व के लिए मशहूर है। ऐसा माना जाता है कि यह दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा सोने का भंडार है और यहां से सोना निकालने का प्रोसेस भी शुरू हो गया है।

रेको डिक खदान

पाकिस्तान की इस खदान पर दुनिया के बड़े बड़े देशों की नजर है। कनाडा की कंपनी की पहले ही पाकिस्तान सरकार के साथ डील हो चुकी है और अब सऊदी अरब भी इस खदान के लिए पाक सरकार से बात कर रहा है।

तीन साल में रेको डिक करेगी पाक को मालामाल

रेको डिक में दुनिया का 5वा सबसे बड़ा तांबे और सोने के भंडार है, जिसमें 0.41 फसद तांबे की ग्रेडिंग वाले 5.9 बिलियन टन अयस्क और 41.5 मिलियन औंस सोने के भंडार होने का अनुमान है, जिसको कम से कम 40 सालों तक निकाला जा सकता है।

इस खदान में काम करने वाली कनाडाई कंपनी बैरिक गोल्ड का कहना है कि खदान से पहला उत्पादन 2028 तक शुरू होने का लक्ष्य है। जिसकी क्षमता 90 मिलियन टन हर साल होने की उम्मीद है।

सऊदी मांग रहा 15 फीसद हिस्सेदारी

रेको डिक खदान से सोना निकालने के लिए सऊदी अरब सरकार पाक सरकार के साथ बातचीत कर रही है। सऊदी को उम्मीद है कि उसको इस खदान में 15 फीसद हिस्सेदारी मिल जाएगी। बलूचिस्तान प्रांत की रेको डिक कॉपर और गोल्ड माइन प्रोजेक्ट के लिए दोनों देशों के बीच पिछले साल बातचीत शुरू हुई थी। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि कैबिनेट ने 540 मिलियन डॉलर में 15 फीसद हिस्सेदारी की बिक्री को मंजूरी दे दी है और सऊदी फंड फॉर डेवलपमेंट बलूचिस्तान क्षेत्र में खनिज विकास की मदद करने के लिए 150 मिलियन डॉलर प्रदान करेगा। हालांकि, पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री मुसादिक मलिक ने कहा कि इस सौदे को अभी मंजूरी नहीं मिली है।

रेको डिक में किसकी कितनी हिस्सेदारी?

इस माइन का 50 फीसद हिस्सा कनाडा की बैरिक गोल्ड के पास है, जो दुनिया की सबसे बड़ी सोने की खनन कंपनियों में से एक है। 25 फीसद हिस्सा पाकिस्तान सेंट्रल सरकार की 3 कंपनियों के पास है और 25 फीसद बलूचिस्तान सरकार के पास है।

उमर अब्दुल्ला ने पीएम मोदी की जमकर की तारीफ, बोले- आपने अपना वादा 4 महीने में पूरा किया

नई दिल्ली। पाकिस्तान के सीने में चुभेगी कश्मीर की Z मोड़ टनल, 30% तक बढ़ सकेगा कारोबार, जानें देश के लिए क्यों है ये खास?

उमर अब्दुल्ला ने यह भी कहा कि उस दौरान आपने जम्मू कश्मीर की जनता से कहा था कि बहुत जल्द चुनाव होंगे और लोगों को अपने वोट के जरिए अपनी सरकार चुनने का मौका मिलेगा। आपने अपनी बात रखी और 4 महीने के अंदर चुनाव हो गए। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में चुनाव हुए और सबसे बड़ी बात यह रही कि कहीं भी किसी तरह की अनियमितता की शिकायत नहीं आई, सत्ता के दुरुपयोग की कोई शिकायत नहीं आई। इसका श्रेय आपको (पीएम मोदी), आपके सहयोगियों और भारत के चुनाव आयोग को जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरा दिल कहता है कि बहुत जल्द आप (पीएम मोदी) राज्य का दर्जा बहाल करने का अपना वादा पूरा करेंगे। आज इस अवसर पर मैं आपको इतनी ठंड में यहां आने के लिए तहे दिल से धन्यवाद देना चाहता हूं। आपका जम्मू-कश्मीर से बहुत पुराना रिश्ता है, हमें उम्मीद है कि आप बार-बार यहां आएंगे, हमारे बीच रहेंगे और हमारी खुशियों में शामिल होंगे। उमर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों से सीमा पर शांति प्रक्रिया से दूरदराज के इलाकों को काफी फायदा हुआ है। उन्होंने कहा, चाहे माछिल, गुरेज, करनाह या केरन हो, अधिक पर्यटकों के आने से लोगों को विकास और पर्यटन के मामले में फायदा हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सोनमर्ग सुरंग के खुलने से ऊपरी इलाकों के लोगों को अब मैदानी इलाकों की यात्रा करने की आवश्यकता नहीं होगी, क्योंकि सड़क संपर्क साल भर उपलब्ध रहेगा। उन्होंने जेड-मोड़ सुरंग निर्माण परियोजना में शामिल सात नागरिकों को याद किया, जिन्हें पिछले साल गगनगीर में आतंकवादियों ने मार डाला था।

लद्दाख में सेंसिटिव हैं हालात, इंडिया आर्मी को आत्मनिर्भर फ्यूचर रेडी फोर्स के रूप में तैयार करना मेरा लक्ष्य

सेना प्रमुख ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया क्या है आगे का रोडमैप

नई दिल्ली। पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर स्थिति को लेकर सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि स्थिति संवेदनशील लेकिन स्थिर है। पूर्वी लद्दाख के देपसांग और डेमचोक में पारंपरिक क्षेत्रों में गश्त और पशुओं कोचराना शुरू हो गया है। हमारी तैनाती संतुलित और मजबूत है, हम किसी भी स्थिति से निपटने में सक्षम हैं। एलएसी पर स्थिति के बारे में बात करते हुए सेना प्रमुख ने कहा कि हम सीमा पर बुनियादी ढांचे और क्षमता विकास को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। जम्मू कश्मीर में कुल मिलाकर स्थिति नियंत्रण में है। पाकिस्तान के साथ लगती नियंत्रण रेखा पर संघर्षविराम जारी है लेकिन घुसपैठ की कोशिशें भी लगातार हो रही हैं। जम्मू कश्मीर में सीमापार से आतंकवाद को पाकिस्तान के समर्थन पर सेना प्रमुख ने कहा कि पाकिस्तान की तरफ आतंकी बुनियादी ढांचा बरकरार है। पिछले वर्ष मारे गए आतंकवादियों में से 60 प्रतिशत पाकिस्तानी मूल के थे। रक्षा बलों के समन्वित प्रयासों और सरकार की सक्रिय पहल से मणिपुर में स्थिति नियंत्रण में आ गई है। मणिपुर की स्थिति पर सेना प्रमुख ने कहा कि हिंसा की घटनाएं जारी हैं और हम क्षेत्र में शांति लाने का प्रयास कर रहे हैं। म्यांमा की स्थिति के किसी भी संभावित प्रभाव से निपटने के लिए भारत-म्यांमा सीमा पर निगरानी बढ़ा दी गई है। सेना प्रमुख ने कहा कि मैं उत्तरी सीमा से बात शुरू करता हूं। जैसा कि आप सबको पता है कि स्थिति सेंसिटिव है, मगर स्थिर है। पूर्वी लद्दाख के डेपसांग और डेमचोक में समस्या सुलझ गई है। मैंने अपने को कमांडर्स को ग्राउंड लेवल पर हालात से निपटने के लिए ऑथराइज किया है।

पुडुचेरी में एक और बच्चा एचएमपीवी से संक्रमित, अस्पताल में इलाज जारी, पिछले हफ्ते सामने आया था पहला केस

पुडुचेरी। पुडुचेरी में एक और बच्चा ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) से संक्रमित पाया गया। फिलहाल उसका जेआईपीएमईआर में इलाज जारी है। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। पुडुचेरी के स्वास्थ्य निदेशक वी. रविचंद्रन ने एक विज्ञप्ति में कहा कि बच्ची को बुखार, खांसी और नाक बहने की शिकायत थी। वह कुछ दिन पहले ही जेआईपीएमईआर में भर्ती हुई थी, फिलहाल उसका इलाज जारी है। उन्होंने बताया कि बच्ची ठीक हो रही है। सभी एहतियाती कदम उठाए गए हैं।

पुडुचेरी में पिछले सप्ताह पहला एचएमपीवी का मामला सामने आया था, जिसमें एक तीन साल की बच्ची संक्रमित पाई गई थी। उसका इलाज एक निजी अस्पताल में किया गया। पूरी तरह से ठीक होने के बाद लड़की को शनिवार को छुट्टी दे दी गई। पुडुचेरी के स्वास्थ्य निदेशक ने कहा कि पुडुचेरी प्रशासन ने वायरस के संदर्भ में सभी कदम उठा लिए हैं।

ह्यूमन मोटान्यूमोवायरस, जिसे एचएमपीवी के छोटे नाम से भी जाना जाता है, इंसानों की श्वसन प्रक्रिया पर प्रभाव डालने वाला वायरस है। इसकी पहली बार पहचान 2001 में हो गई थी। तब नीदरलैंड के वैज्ञानिकों ने इसका पता लगाया था। यह पैरामाइक्सोविरिडे परिवार का वायरस है। श्वसन संबंधी अन्य वायरस की तरह यह भी संक्रमित लोगों के खांसने-छींकने के दौरान उनके करीब रहने से फैलता है। कुछ स्टडीज में दावा किया गया है कि यह वायरस पिछले छह दशकों से दुनिया में मौजूद है।

साल 2025 में इंडस्ट्री की रौनक बढ़ाएंगे ये स्टारकिड्स, इनका होने वाला है धमाकेदार डेब्यू

हर साल कुछ नए सितारे फिल्मी दुनिया में आते हैं। इनमें सितारों के बच्चे भी होते हैं। इस साल भी कई स्टारकिड्स डेब्यू करने वाले हैं

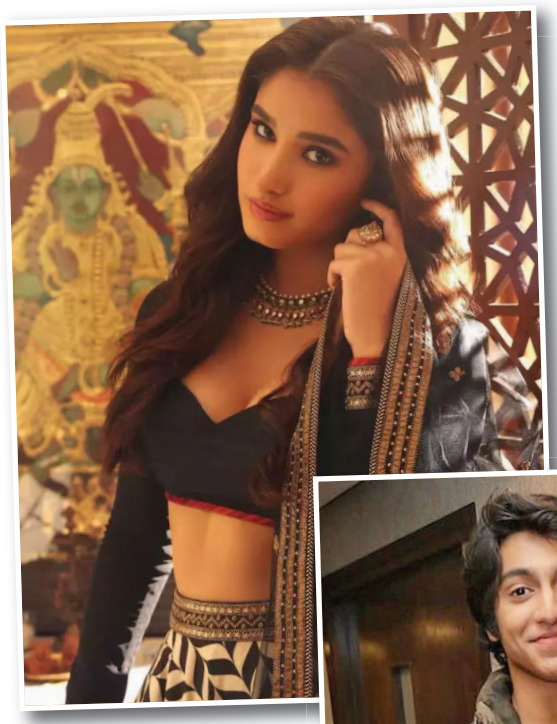

सिनेमा का ग्लैमर कहें या अभिनय के प्रति लगाव, फिल्मी सितारों के बच्चे भी अधिकांश इंडस्ट्री में ही अपना करियर बनाते हैं। इसके कितने ही उदाहरण इंडस्ट्री में हैं। हर साल सितारों के बच्चे फिल्मी दुनिया में कदम रखते हैं। नए साल 2025 में भी कई स्टार किड्स दर्शकों के बीच अपने अभिनय का हुनर दिखाने के लिए आ रहे हैं। चलिए जानते हैं...

राशा थडानी

रवीना टंडन की बिटिया राशा थडानी सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। वह अभी से खूब लाइमलाइट में रहती हैं। राशा अब अपने अभिनय का दम दिखाती नजर आएंगी। राशा इस साल फिल्म आजाद से अभिनय की दुनिया में कदम रख रही हैं। फिल्म का निर्देशन अभिषेक कपूर कर रहे हैं।

अमन देवगन

अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन भी बॉलीवुड में कदम रखेंगे। अमन फिल्म आजाद से डेब्यू कर रहे हैं। अभिषेक कपूर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में वे राशा थडानी के साथ नजर आएंगे। फिल्म का ट्रेलर आज रिलीज हुआ है।

अहान पांडे

अनन्या पांडे अभिनय की दुनिया में डेब्यू कर चुकी हैं और बड़े परदे से ओटीटी तक लगातार सक्रिय हैं। अब उनके चचेरे भाई अहान पांडे भी दर्शकों के बीच अपने अभिनय का हुनर दिखाने आ रहे हैं। अहान पांडे यश राज फिल्म्स के बैनर तले मोहित सूरी की एक यंग लव स्टोरी के साथ बड़े परदे पर कदम रखने वाले हैं। वाईआरएफ को उम्मीद है कि अहान पांडे हिंदी सिनेमा में न्यू मिलेनियल्स के हीरो की कमी को पूरा करेंगे।

शनाया कपूर

महीप कपूर की बेटी शनाया कपूर भी जल्द ही डेब्यू को तैयार हैं। शनाया अपनी पहली फिल्म में लक्ष्य लालवानी और गुरफतेह परिजादा के साथ काम करने वाली हैं। इसके अलावा शाहरुख खान के लाडले आर्यन खान भी अपने डेब्यू को लेकर सुर्खियों में हैं। वे वेब सीरीज 'स्टारडम' से निर्देशन की दुनिया में कदम रखने वाले हैं। यह नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

इब्राहिम अली खान

सैफ अली खान और अमृता सिंह की बिटिया सारा अली खान तो कई साल इंडस्ट्री में डेब्यू कर चुकीं और लोकप्रिय अदाकारा बन गई हैं। अब उनके बेटे इब्राहिम अली खान भी साल 2025 में इंडस्ट्री में डेब्यू करने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इब्राहिम धर्मा प्रोडक्शन की फिल्म सरजमीन से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत करने वाले हैं। इस फिल्म में काजोल भी नजर आने वाली हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com